CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-110

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं। - लोकमान्य तिलक

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 25 जुलाई 2024

सिंगल कॉलम

आनंदपाल एनकाउंटर में पांच पुलिस अधिकारियों पर चलेगा हत्या का केस

नागौर। राजस्थान में आनंदपाल एनकाउंटर मामले में कोर्ट ने सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट अस्वीकार कर दी है। इससे जांच एजेंसी को बड़ा झटका लगा है। मामले में आनंदपाल के भाई मंजीतपाल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमें कानून पर भरोसा है। लगातार कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं। एसीजेएम कोर्ट ने तत्कालीन चूरू एसपी राहुल बारहट, एएसपी विद्या प्रकाश चौधरी, डीएसपी सूर्यवीर सिंह राठौड़, आरएसी हेड कांस्टेबल कैलाश के खिलाफ धारा 302 के तहत संज्ञान लिया। राजस्थान के नागौर जिले के एसीजेएम कोर्ट ने जांच टीम सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। कोर्ट के आदेश अनुसार अब गैंगस्टर आनंदपाल का एनकाउंटर करने वाले 5 बड़े अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा चलेगा। कोर्ट ने इनके खिलाफ संज्ञान लेते हुए हत्या की धारा 302 के तहत मुकदमा चलाने और मामले की जांच के आदेश दिए हैं। एनकाउंटर का यह मामला 24 जून साल 2017 का है। चूरू के मालासार गांव में एसओजी की टीम ने आनंदपाल का एनकाउंटर किया था। इसके बाद से ही कई सवाल उठने लगे थे। इस केस में सीबीआई ने साल 2020 में ही क्लोजर रिपोर्ट पेश की थी। इसे आनंदपाल की पत्नी राजकंवर ने कोर्ट में चैलेंज किया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट में राजकंवर की तरफ से बीते 4 साल में कई गवाह पेश किये गए।

मजदूर को मिला 19.22 कैरेट का जेम क्वालिटी का सबसे बड़ा हीरा

पन्ना। देश और दुनिया में बेशकीमती हीरों के लिए प्रसिद्ध मध्यप्रदेश के पन्ना जिले में बुधवार को एक गरीब मजदूर को बेशकीमती हीरा मिला। हीरा पारखी अनुपम सिंह ने बताया कि हीरा धारक राजू गोंड़ ने कार्यालय से पट्टा बनवाकर करीब दो माह पूर्व खदान लगाई थी। राजू मजदूरी करके अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करता था, इसके साथ ही बारिश के दिनों में हीरे की खदान भी लगाया करता था। हीरा अधिकारी रवि पटेल का कहना है कि यह जेम क्वालिटी का हीरा है, जिसकी बाजार में अच्छी डिमांड होती है। इस हीरे को आगामी हीरा नीलामी में बिक्री के लिए रखा रखा जाएगा। मजदूर को बड़ा हीरा मिलने पर पन्ना कलेक्टर सुरेश कुमार ने खुशी का इजहार करते हुए बताया कि ग्राम अहिरगुंवा के गरीब आदिवासी परिवार को उथली हीरा खदान में 19.22 कैरेट का हीरा प्राप्त हुआ है, जिसे बुधवार को पन्ना हीरा कार्यालय में जमा कराया गया है। बताया गया है कि इस वर्ष पन्ना की उथली हीरा खदानों से अब तक प्राप्त हीरों में यह सबसे बड़ा हीरा है, जो आयोजित होने वाली नीलामी में आकर्षण का केंद्र रहेगा। राजू गोंड ने बताया कि हीरे की नीलामी से मिलने वाले पैसों से वह अपने बच्चों को पढ़ाएगा और इसके साथ ही परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए जमीन भी खरीदेगा, जिसमें वह खेती करेगा। इसके अलावा उसके ऊपर करीब चार लाख रुपए का कर्ज भी है, जिसे वह अब पटा देगा।

मानसून सत्र का चौथा दिनः बजट पर लगातार दूसरे दिन भी चर्चा जारी

लोकसभा में रिजिजू के बयान पर विपक्ष का हंगामा

नई दिल्ली। आज गुरुवार (25 जुलाई) संसद के मानसून सत्र का चौथा दिन है। बजट पर लगातार दूसरे दिन भी चर्चा जारी है। विपक्ष के नेता सदन में हंगामा कर रहे हैं। उनके मुताबिक, बजट में राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इससे पहले भी बजट को लेकर सदन में हंगामा हो चुका है। विपक्षी दलों ने संसद के बाहर प्रदर्शन भी किया। लोकसभा के साथ ही राज्यसभा में भी बजट को लेकर हंगामा हुआ। मानसून सत्र के तीसरे दिन संसद के दोनों सदनों में बजट को लेकर काफी हंगामा हुआ। राज्यसभा में विपक्ष ने वॉकआउट किया। लोकसभा की कार्यवाही के दौरान तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा और बजट की आलोचना की।

वित्त मंत्री का बजट पर स्पष्टीकरण- वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि बजट में हर राज्य का नाम लेने का अवसर नहीं मिलता है। विपक्ष के नेता कांग्रेस की अगुवाई में जानबूझकर ऐसे आरोप लगा रहे हैं ताकि लोग यह महसूस करें कि उनके राज्य को कुछ नहीं मिला है। यह सही नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष प्रावधान दिए गए हैं, जिससे वहां के विकास कार्यों में तेजी आएगी। वहीं, TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यकों को निशाना बना रही है। लोकसभा और राज्यसभा में एक भी मुस्लिम सांसद नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार अल्पसंख्यकों को हाशिए पर डालने की कोशिश कर रही है और यह बजट उसी का हिस्सा है।

23 जुलाई को पेश किया गया बजट - 23 जुलाई को निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने 1 घंटे 23 मिनट का बजट भाषण दिया। उनके बजट का फोकस शिक्षा, रोजगार, किसान, महिलाएं और युवा थे। नए कर व्यवस्था में 7.75 लाख रुपए तक की आय अब कर मुक्त हो गई है। पहली नौकरी वाले जिनकी सैलरी 1 लाख रुपए से कम है, सरकार उन्हें तीन किस्तों में अधिकतम 15 हजार रुपए देगी। मोदी सरकार 3.0 बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी के सहयोग से केंद्र में शासन कर रही है। वित्त मंत्री ने बिहार में बुनियादी ढांचे और अन्य परियोजनाओं के लिए 58 हजार 900 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश की नई राजधानी अमरावती के विकास के लिए 15 हजार करोड़ रुपये की घोषणा की।

दुष्कर्म के आरोपी पार्षद शानू शर्मा का महिला कांग्रेस ने पुतला फूंका

इंदौर। एक महिला ने भाजपा के पार्षद शानू शर्मा के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में रिपोर्ट लिखाई थी। महिला ने पार्षद पर मदद करने के बहाने उसके साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पार्षद के विरोध में आज सुबह शहर महिला कांग्रेस द्वारा आरोपी पार्षद का राजबाड़ा चौक पर पुतला फूंका गया। बता दें कि कल 32 वर्षीय महिला की शिकायत पर द्वारकापुरी थाने में पार्षद के खिलाफ कार्रवाई की गई है। महिला का आरोप है कि वार्ड क्रमांक 82 के पार्षद नितिन उर्फ़ शानू शर्मा ने मदद और नौकरी दिलाने के बहाने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला का कहना है कि कोरोना काल के दौरान उसकी पहचान नितिन से हुई थी। इसके बाद वह उससे मदद मांगने के लिए गई थी। पार्षद ने लोन चुकाने के लिए रु. 100000 की मदद भी की थी। पार्षद ने सरकारी नौकरी दिलाने का वादा भी किया था, लेकिन बॉयफ्रेंड से रिश्ता तोड़ने के लिए वह मजबूर करने लगा। युवती ने ऐसा नहीं किया तो रुपए के लिए दबाव बनाने लगा। इस पर 50000 नगद लौटा दिए और और बचे हुए रूपयो के लिए जब वह विदुर नगर में एक मकान में नितिन शर्मा से बात करने गई तो शर्मा ने वहां उसे धमका कर उसके साथ दुष्कर्म किया युवती का आरोप है कि शर्मा उसको धमका कर उसके साथ कई बार दुष्कर्म कर चुका है।

टैक्स घटने के बाद 4,000 रुपए तक सस्ता हुआ सोना

नई दिल्ली। बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद से 2 दिन में सोना 4000 रुपए और चांदी 3600 रुपए सस्ती हो चुकी है। सरकार ने बजट में सोना-चांदी पर कस्टम ड्यूटी को 15त्न से घटाकर 6त्न कर दिया है। इससे भाव में ये गिरावट आई है। बजट के अगले दिन, यानी बुधवार को सोना 408 रुपए गिरकर 69,194 रुपए पर आ गया है। 23 जुलाई को इसमें 3600 रुपए की गिरावट आई थी। वहीं चांदी बुधवार को 22 रुपए गिरकर 84,897 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। मंगलवार को चांदी में 3600 रुपए की गिरावट थी।

कमोडिटी एक्सपर्ट्स के अनुसार इस बार बजट में सोना-चांदी पर लगने वाली कस्टम ड्यूटी 15त्न से घटाकर 6त्न कर दी है। इससे इसकी कीमत में गिरावट देखने को मिल रही है। लेकिन कस्टम ड्यूटी घटने के बाद आने वाले दिनों में सोने की मांग और तेजी से बढ़ेगी।

अभी सोने और चांदी में गिरावट भले हुई है, लेकिन इसे केवल ड्यूटी एडजस्टमेंट कह सकते हैं। कुछ दिन अगर सोना गिरा भी तो यह फिर कवर कर लेगा। अमेरिका में चुनाव और वैश्विक तनाव को देखते हुए सोने और चांदी के दाम अधिक नहीं गिरेंगे। यह खरीद का अच्छा मौका है। इस साल अब तक सोने के दाम 5,842 रुपए प्रति 10 ग्राम बढ़ चुके हैं। साल की शुरुआत में ये 63,352 रुपए पर था। जो अब 69,194 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं चांदी साल की शुरुआत में 73,395 रुपए प्रति किलो पर थी। जो अब 84,897 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। यानी, चांदी इस साल 11,502 रुपए बढ़ चुकी है।

बता दें कि इंडियन बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की ओर से जारी कीमतों से अलग-अलग प्योरिटी के सोने के स्टैंडर्ड भाव की जानकारी मिलती है। ये सभी दाम टैक्स और मेकिंग चार्ज के पहले के हैं। आईबीजेए द्वारा जारी किए गए रेट देशभर में सर्वमान्य हैं लेकिन इसकी कीमतों में जीएसटी शामिल नहीं होती है। बता दें कि गहने खरीदते समय सोने या चांदी के रेट टैक्स समेत होने की वजह से ज्यादा होते हैं।

पलचान में भारी नुकसान, कई भागों में भारी बारिश का अलर्ट

अंजनी महादेव में फटा बादल

हिमाचल प्रदेश के मनाली में सोलंगनाला के साथ लगते अंजनी महादेव मे मध्यरात्रि बादल फटने से पलचान में भारी तबाही हुई है। पलचान पुल पर मलबा आने से मनाली लेह मार्ग अवरुद्ध हो गया है। बादल फटने से आई बाढ़ से पलचान में एक मकान भी ढह गया। इसके अलावा नदी में बने एक बिजली प्रोजेक्ट को भी नुकसान हुआ है। एसडीएम मनाली रमण कुमार शर्मा रात में टीम के साथ मौके पर पहुंचे। नदी तट पर बसे लोगों को अलर्ट कराया गया है। उन्होंने बताया की बाढ़ आने से भारी नुकसान हुआ है।मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के कुछ भागों में आज से 31 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट है। वहीं, बीती रात को कई भागों में भारी बारिश हुई है। पालमपुर में 68.0, धौलाकुआं 44.0, नयनादेवी 42.6, धर्मशाला 35.4, बीबीएमबी 27.0, डलहौजी 25.0, शिमला 24.8 और चंबा में 22.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। उधर चंबा के बनीखेत परिक्षेत्र के तहत आती नगाली पंचायत मजधार गांव में मंगलवार मध्यरात्रि अंधड़ से एक मकान और एक गोशाला की छत उड़ गई। बुधवार सुबह सात बजे चंबा-तलेरू मार्ग पर छौ के समीप नाले का जल स्तर बढ़ने से वाहनों की रफ्तार डेढ़ घंटा थमी रही।

कई भागों में सात दिन भारी बारिश का अलर्ट -मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के कुछ भागों में आज से 31 जुलाई तक भारी बारिश का येलो अलर्ट है। वहीं, बीती रात को कई भागों में भारी बारिश हुई है। पालमपुर में 68.0, धौलाकुआं 44.0, नयनादेवी 42.6, धर्मशाला 35.4, बीबीएमबी 27.0, डलहौजी 25.0, शिमला 24.8 और चंबा में 22.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शिमला-चक्कर-मनाली सड़क पर प्रिंटिंग प्रेस के पास भूस्खलन से गुरुवार सुबह यातायात ठप रहा। इसके चलते हाईवे बहाल नहीं होने तक वाहनों को तवी मोड़ से बालूंगज होकर भेजा गया। इसके बाद लोक निर्माण विभाग ने करीब 9:30 बजे हाईवे को बहाल किया।

मप्र के संविदा कर्मचारियों का सरकार ने बढ़ाया वेतन

भोपाल। मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने बुधवार को प्रदेश के संविदा कर्मियों को बड़ी खुशखबरी दी, राज्य सरकार ने लंबे समय से की जा रही उनकी मांग को मानते हुए उनकी वेतन वृद्धि करने का फैसला लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह वृद्धि सीपीआई इंडेक्स (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) के आधार पर होगी। इस दौरान उनके वेतन में 700 से 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी होगी। बता दें कि संविदा कर्मी लंबे समय से वेतन वृद्धि और नियमितिकरण की मांग कर रहे हैं। इसके बाद सरकार ने आखिरकार उन्हें राहत देते हुए उनकी वेतन वृद्धि की मांग को मान ली है। यह बढ़ोतरी 1 अप्रैल 2024 से लागू होगी, यानी कि उन्हें अप्रैल से लेकर वेतन वृद्धि होने तक का एरियर भी दिया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस फैसले से मध्यप्रदेश के करीब सवा लाख संविदा कर्मचारियों को फायदा होगा। इस बारे में वित्त विभाग ने आदेश जारी कर दिए गए हैं। इस संबंध में वित्त विभाग की तरफ से जारी पत्र में कहा गया है कि इन कर्मचारियों के पारिश्रमिक में 3.87 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की गई है। इस दौरान संविदा पर नियुक्त अधिकारियों व कर्मचारियों के पारिश्रमिक में लगभग 700 रुपए से लेकर 3000 रुपए प्रतिमाह की बढ़ोतरी होगी। आदेश एक अप्रैल 2024 से लागू माना जाएगा।

इसका सबसे ज्यादा फायदा सहायक प्रबंधकों को होगा। उनके वेतन में करीब 2535 रुपए की वृद्धि होगी। जबकि, सहायक यंत्री के वेतन में 2169 रुपए की बढ़ोतरी होगी। वित्त सहायक परियोजना का वेतन 2160 रुपए बढ़ेगा। प्रोग्रामर के वेतन में 2160 रुपए की बढ़ोतरी की जाएगी। हालांकि इस वेतन वृद्धि को लेकर मप्र संविदा कर्मचारी अधिकारी महासंघ खुश नहीं है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश राठौर का कहना है कि भारत सरकार पूरे देश के लिए सीपीआई इंडेक्स 5.39 तय किया है। वित्त विभाग को सीपीआई इंडेक्स 5.39 जारी करना था।

मप्र सरकार का चीता प्रोजेक्ट पर आरटीआई के तहत जानकारी देने से इनकार

भोपाल। मध्य प्रदेश वन विभाग ने अफ्रीका से लाए गए चीतों और भारत में जन्मे उनके शावकों के प्रबंधन के मसले पर आईटीआई एक्ट के तहत जानकारी देने से इनकार कर दिया है। वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे की ओर से सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत दाखिल किए गए अनुरोध के जवाब में वन विभाग ने आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(ए) का हवाला दिया। विभाग का कहना है कि आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(ए) किसी सार्वजनिक प्राधिकरण को सूचना को रोकने की तब अनुमति देते है जब उसके खुलासे से देश की संप्रभुता, सुरक्षा और आर्थिक हितों के साथ ही किसी बाहरी मुल्क के साथ संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने मध्य प्रदेश के वन विभाग से कूनो और मंदसौर में चीता परियोजना के प्रबंधन पर पत्राचार रिकॉर्ड उपलब्ध कराने की मांग की थी। मध्य प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) के कार्यालय में जन सूचना अधिकारी सौरव कुमार काबरा ने अपने जवाब में कहा कि सूचना (बिंदु संख्या 2 के तहत) प्रबंधन शाखा से संबंधित है। ऐसे में विभाग ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 8(1)(ए) के तहत यह जानकारी उपलब्ध नहीं कराने का निर्णय लिया है। अजय दुबे ने कहा कि 17 सितंबर, 2022 को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में आठ नामीबियाई चीतों को छोड़े जाने के साथ कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से यह पहली बार है कि जब आरटीआई अधिनियम के तहत प्रोजेक्ट चीता के बारे में जानकारी देने से इनकार कर दिया गया है। दुबे को भारतीय भूभाग पर जन्मे पहले चीता शावक के स्वास्थ्य के बारे में आरटीआई के तहत जानकारी मिली थी।

सीएम मोहन ने लाड़ली बहनों को भेजा शगुन का संदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को मंत्रालय स्थित अपने कार्यालय से जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किए अग्रदूत पोर्टल को लॉन्च किया। इस अवसर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पहला मैसेज लाड़ली बहनों को भेजा। यह संदेश सावन माह में रक्षाबंधन के शगुन स्वरूप 01 अगस्त को लाड़ली बहनों के खातों में 250 रुपए की धनराशि अंतरित करने के संबंध में था। मध्यप्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किया गया अग्रदूत पोर्टल सूचना ही शक्ति है की पहल पर काम करेगा। यह लक्षित समूह तक सिंगल क्लिक में सूचनाएं प्रसारित करने के लिए जनसंपर्क विभाग की अभिनव पहल है। अग्रदूत पोर्टल द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के टार्गेट ऑडियंस तक सूचनाएं पहुंचाई जा सकेंगी। पोर्टल के माध्यम से त्रिस्तरीय रिव्यू के बाद संदेश लोकप्रिय मोबाइल मैसेजिंग एप - वाट्सअप पर शेयर किया जाएगा और इसके माध्यम से एक साथ मल्टीमीडिया मैसेज (ग्राफिक्स, टैक्स्ट, लिंक, वीडियो) भी शेयर किए जा सकेंगे। इसके माध्यम से नागरिकों तक आसानी से सूचनाएं पहुंचाई जा सकेंगी। अग्रदूत पोर्टल सूचना क्रांति के क्षेत्र में अभिनव पहल है। इसके माध्यम से कम समय में भी लक्षित नागरिकों तक पहुंच बनाई जा सकेगी। कम समय में ही सूचना प्रसार, व्यापक संचार, समग्र डेटाबेस का उपयोग, वाट्सएप के माध्यम से सूचना का प्रसार, सिंगल क्लिक आधारित, यूजर फ्रेंडली, त्रिस्तरीय अनुमोदन प्रक्रिया संपन्न होगी, जिससे मध्यप्रदेश में नागरिकों को पारदर्शिता के साथ सुशासन भी उपलब्ध होगा। अग्रदूत पोर्टल के माध्यम से प्रदेश के नागरिकों को आवश्यकतानुसार फिल्टर किया जा सकता है। उन्हें श्रेणी अनुसार विभाजित कर मैसेज या सूचनाएं भेजी जा सकेंगी। मसलन, इस पोर्टल में उम्र, लिंग, जाति, धर्म, व्यवसाय, दिव्यांगता, जिला/ स्थानीय निकाय/ क्षेत्र के अनुरूप चयनित कर जानकारी भेज सकेंगे।

नया पेंचः जैन गुरुकुल के दावे को लेकर इंदौर हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने के बाद बड़ी अदालत में जैन समाज

धार भोजशाला मामले में जैन समाज ने भी सुप्रीम कोर्ट में लगाई याचिका

इंदौर। धार भोजशाला पर अपना हक जताने के लिए जैन समाज भी आगे आया है। इस मामले में समाज ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। भोजशाला मामले में मुस्लिम और हिन्दू पक्ष की तरफ से पहले ही दो याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई हैं। जैन समाज ने अपनी याचिका में बताया कि एएसआई के सर्वे के दौरान जैन तीर्थकरों की मूर्तियां भी निकाली थी। वहां जैन गुरुकुल और जैन मंदिर था। इसे लेकर पहले समाज ने इंदौर हाईकोर्ट में भी याचिका लगाई थी, लेकिन वह खारिज हो गई थी। इसके बाद समाज ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली। याचिका में यह भी कहा गया है कि 1875 में भोजशाला की खुदाई के दौरान जैन यक्षिणा अंबिका की मूर्ति निकली थी, जो ब्रिटिश संग्रहालय में है।

याचिका सुप्रीम कोर्ट में ग्राह्य हो चुकी है। हाईकोर्ट के पास एएसआई की सर्वे रिपोर्ट पहुंच चुकी है। सर्वे को लेकर मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने तब सर्वे को लेकर कोई निर्देश नहीं दिए, लेकिन यह कहा था कि सर्वे के आधार पर हाईकोर्ट फैसला न ले। रोक हटाने के लिए पिछले दिनों हिन्दू पक्ष ने भी याचिका लगाई है।

सर्वे हो चुका है पूरा हाईकोर्ट के निर्देश पर मार्च में एएसआई ने सर्वे किया है। टीम ने कार्बन डेटिंग तकनीक से भोजशाला के भवन की उम्र का पता लगाया। इसे अलावा जीपीआरएस व अन्य तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। सर्वे के दौरान पूरे समय वीडियोग्राफी भी कराई गई है। दो हजार पेज की रिपोर्ट तैयार कर हाईकोर्ट में पेश की गई। भोजशाला का सर्वे वर्ष 1902 में भी किया गया जा चुका है। तब सर्वे में पाया गया था कि भोजशाला की वास्तुकला भारतीय शैली की है। वहां पर संस्कृत के शब्द, हिन्दू चिन्ह और भारतीय मंदिरों जैसी शैली का निर्माण है। उस रिपोर्ट में भोजशाला के जमीन के टायटल में मस्जिद का भी उल्लेख है। उसे आधार बनाते हुए मुस्लिम समाज भी भोजशाला पर हक जताता है।

जैन समाज ने मांगा पूजा का अधिकार जैन समाज के याचिकाकर्ता सलेकचंद्र जैन ने कहा कि भोजशाला जैन समाज की है। समाज को पूजा का अधिकार मिले और इसे समाज को सौंपा जाए। उन्होंने कहा कि 1875 में खुदाई के दौरान भोजशाला से वाग्देवी की मूर्ति निकली थी, लेकिन दरअसल वह जैन धर्म की देवी अंबिका की मूर्ति है।

जैन गुरुकुल होने के पीछे यह है कहानी जैन समाज के याचिकाकर्ता सलेकचंद्र जैन ने बताया, राजा भोज कवियों को पसंद करते थे। वे सर्व धर्म प्रेमी थे। उनके दरबार में धनंजय जैन कवि थे। उनका नाम धनपाल भी था। कवि धनंजय जैन ने एक किताब संस्कृत में लिखी थी। उसके कुछ श्लोक राजा भोज को सुनाए थे। राजा भोज काफी प्रभावित हुए और कवि की प्रशंसा की। कवि ने राजा से कहा कि मैं तो कुछ भी नहीं हूं। मेरे गुरु आचार्य महंत मानतुंग है। मैं उनका शिष्य हूं। उन्हीं से मैंने सीखा है। तब राजा भोज को लगा कि ऐसे गुरु से मिलना चाहिए। उन्होंने सेवक भेज गुरु को बुलावा भेजा। आचार्य पहाड़ पर तपस्या कर रहे थे। उन्होंने जाने से मना कर दिया। इससे राजा भोज नाराज हो गए और उन्होंने आचार्य को बलपूर्वक खींचकर लाने के आदेश दे दिए।

इंदौर-नई दिल्ली सुपरफास्ट ट्रेन को रोज चलाने की तैयारी

इंदौर। सप्ताह में तीन दिन इंदौर से नई दिल्ली तक जाने वाली सुपर फास्ट ट्रेन 20957 को अब रेल विभाग ने रोज चलाने की तैयारी की है। यह ट्रेन चार दिन उज्जैन वाले रूट से चलेगी। यह ट्रेन नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक चलती है। उधर बजट में इंदौर से जुड़े रेलवे के प्रोजेक्टों के लिए राशि मंजूर हुई है। बता दें कि दिल्ली वाली ट्रेन का अंतिम पड़ाव दिल्ली के बजाए हिसार हो सकता है। इंदौर से दिल्ली जाने वाले ज्यादातर यात्री इस ट्रेन में सफर करना पसंद करते हैं, क्योंकि यह 11 घंटे में दिल्ली पहुंच जाती है और इसकी टाइमिंग भी अच्छी है। यह ट्रेन इंदौर से शाम पौने पांच बजे इंदौर से चलती है और दूसरे दिन सुबह साढ़े चार बजे नई दिल्ली स्टेशन पहुंचा देती है। इस ट्रेन को सप्ताह भर चलाने की काफी डिमांड आ रही थी। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि इंदौर से इस ट्रेन को सप्ताह भर चलाने की सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। नई दिल्ली के आसपास के शहरों तक जाने वाले यात्री इस ट्रेन में सफर इसलिए पसंद करते है, क्योंकि उन्हें स्टेशन से सुबह कनेक्टिंग ट्रेन मिल जाती है।

इंदौर-बुधनी रेल लाइन के लिए एक हजार करोड़ केंद्र में पेश हुए बजट में इंदौर व आसपास की रेल परियोजनाओं को पैसा मिला है। इंदौर-बुधनी प्रोजेक्ट के लिए सबसे ज्यादा 1080 करोड़, इंदौर-धार अमझेरा दाहोद प्रोजेक्ट के लिए 600 करोड़ रुपये रखे गए हैं, जबकि छोटा उदयपुर-धार परियोजना के लिए 350 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इंदौर-उज्जैन दोहरीकरण के लिए 50 करोड़ रुपये मिले हैं। लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन के लिए अलग से कोई राशि आवंटित नहीं की गई, जबकि विधानसभा चुनाव से पहले इस स्टेशन के विस्तार की घोषणा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की थी।

पहली बार इंदौर से खजुराहो के लिए शुरू होगी सीधी उड़ान

आज से शुरुआत, सभी सीटें फुल

इंदौर। अब इंदौर से यात्री खजुराहो के लिए हवाई सफर कर सकेंगे। यह उड़ान पर्यटकों के लिए काफी सुविधाजनक होगी,क्योकि इंदौर से खजुराहो जाने के लिए आठ से दस घंटे का सफर करना पड़ता है। इस उड़ान की शुरुआत गुरुवार से होगी। यह सेवा मध्य प्रदेश में पीएम श्री वायु सेवा संचालित करने वाली फ्लाय कंपनी ने शुरू की है। इस कंपनी ने प्रदेश के आठ शहरों में विमान सेवा शुरू की है। इसके तहत ही इंदौर-खजुराहो उड़ान सेवा गुरुवार से प्रारंभ हो रही है। इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। कंपनी ने इसका एक तरफ का किराया 6300 रुपये रखा है। इंदौर से भोपाल और उज्जैन के लिए भी उड़ान शुरू हुई है, लेकिन उसे ज्यादा प्रतिसाद नहीं मिल पा रहा है। इंदौर से खजुराहो जाने वाली पहली उड़ान की बुकिंग फुल हो चुकी है। छह सीटर विमान के साथ यह उड़ान सेवा शुरू की गई है। इंदौर से विमान दोपहर 3.30 बजे उड़ान भरेगा, जो साढ़े पांच बजे खजुराहो पहुंचेगा।

छह सीटर विमान से सफर मध्यप्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा दिल्ली की जेट सर्व एविएशन प्रा.लि. (फ्लाय ओला) कंपनी के साथ मिलकर प्रदेश के 8 शहरों के बीच हवाई सेवा शुरू की गई है। इसी कड़ी में कंपनी पहली बार इंदौर से खजुराहो के लिए सीधी उड़ान शुरू करने जा रही है। इसका संचालन भी 6 सीटर विमान के साथ किया जाएगा।

खजुराहो से इंदौर की सभी सीटें खाली कंपनी ने एक ओर का किराया डिस्काउंट के बाद 6300 रुपये तय किया है। इसमें भोपाल के यात्री भी वाया इंदौर सफर कर सकेंगे। गुरुवार से संचालित होने वाली इस फ्लाइट के लिए इंदौर से सभी सीटें बुक बताई जा रही हैं। वहीं खजुराहो से इंदौर आने वाली फ्लाइट की सभी सीटें अभी खाली हैं।

ऐसा होगा शेड्यूल -खजुराहो की फ्लाइट भोपाल से दोपहर 2 बजे रवाना होकर 3 बजे इंदौर पहुंचेगी।

-इंदौर से 3.30 बजे रवाना होकर शाम 5.30 बजे खजुराहो पहुंचेगी।

-खजुराहो से शाम 6 बजे रवाना होकर 8 बजे इंदौर पहुंचेगी।

-इंदौर से 8.30 बजे रवाना होकर 9 बजे भोपाल पहुंचेगी।

सिर्फ 31 जुलाई तक बुकिंग कंपनी की वेबसाइट पर अभी सभी उड़ानों के लिए बुकिंग सिर्फ 31 जुलाई तक के लिए की जा सकती है। 31 जुलाई के बाद यानी 1 अगस्त या उसके बाद की उड़ानों की बुकिंग कंपनी द्वारा 25 जुलाई के तक की बुकिंग के बाद खोली जाएगी। इस संबंध में कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर जानकारी भी साझा की है।

ड्रोन से पहली बार 16 मिनट में इंदौर से महू भेजा खून

इंदौर। इंदौर में पहली बार ड्रोन की मदद से इंदौर के पलासिया से महू तक ब्लड यूनिट पहुंचाया गया। ड्रोन ने मात्र 16 मिनट में 25 किमी की दूरी तय की। सड़क मार्ग से एक घंटे से ज्यादा समय लगता है। ब्लड बॉक्स लेकर ड्रोन ने इंदौर के पलासिया स्थित मेडिकेयर अस्पताल से दोपहर 12.18 बजे उड़ान भरी और 12.34 बजे महू के मेवाड़ा मेडिकेयर अस्पताल में सुरक्षित उतार लिया गया। वापसी में इंदौर आने में इसे 17 मिनट का समय लगा। गंभीर मरीजों को तुरंत आकस्मिक चिकित्सा पहुंचाने में यह काफी मददगार हो सकता है। ड्रोन में ट्रायल के लिए एक यूनिट ब्लड रखकर महू भेजा।। इस दौरान ड्रोन ने करीब 200 फीट पर उड़ान भरी। वापसी में भी ड्रोन ने 200 फीट पर उड़ान भरी और 17 मिनट में इंदौर पहुंचा।

मेडिकेयर के डॉ. आरके लाहोटी, पार्थ लाहोटी, श्याम का मूंदड़ा, प्रीति सैनी करीब 2 महीने से इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे। ड्रोन सेंसर के जरिए काम करता है यह सेट की हुई लोकेशन पर अपने आप लैंड कर जाता है।

प्रशासन से एक हफ्ते में मिली अनुमति चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर पार्थ लाहोटी ने बताया कि ट्रायल के लिए एक हफ्ते पहले आवेदन किया था। पुलिस विभाग और एटीसी से सोमवार को ही अनुमति मिली। मंगलवार को ट्रायल किया गया। ड्रोन एक दिन में 500 किमी की यात्रा कर सकता है। 60 किमी की दूरी 35 मिनट में पूरी हो जाती है। ड्रोन में कोल्ड स्टोरेज सहित मेडिकल ट्रांसपोर्टेशन की सभी सुविधाएं मौजूद है। पहुंच विहीन इलाकों के लिए तो यह वरदान है। ड्रोन का वजन 12 किलो था। टेस्टिंग ड्रोन 10 किलो तक का वजन उठा सकता है।

आपदा के समय करेगा मदद चेयरमैन डॉ. आरके लाहोटी ने कहा, पीएम के पायलट प्रोजेक्ट के तहत जाम लगने, पुल टूटने या अन्य कारणों से मार्ग बाधित होने पर ड्रोन से स्वास्थ्य सेवाएं देने की योजना थी। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में काफी मदद मिलेगी।

भाजपा पार्षद के खिलाफ रेप का केस दर्ज, हत्या की धमकी भी दी

इंदौर। इंदौर के द्वारकापुरी (82) वार्ड के भाजपा पार्षद शानू शर्मा के खिलाफ क्षेत्र में ही रहने वाली महिला ने रेप का केस दर्ज कराया है। महिला ने पुलिस को बताया कि कोरोना के समय वह आर्थिक रुप से परेशान थी। वह मदद के लिए पार्षद के पास गई थी। तब मदद के बहाने उन्होंने शारीरिक संबंध बनाए। एक बार होटल में भी ले गया था। शानू ने सरकारी नौकरी दिलाने का भी वादा किया था। बाद में वह मदद के लिए दिए गए रुपये मांगने लगा और कई बार संबंध बनाए। शानू ने मुझे एक ब्वाय फ्रेंड से भी दूर रहने का दबाव बनाया। इसके बाद वह मुझे परेशान करने लगा, इसलिए मुझे उसके खिलाफ शिकायत करना पड़ी।

महिला मंगलवार रात को ही थाने पहुंच गई था। पार्षद पर प्रकरण दर्ज न हो, इसलिए पुलिस अफसरों पर भाजपा नेता दबाव बना रहे थे। पहले महिला को प्रकरण दर्ज न कराने के लिए समझाया गया। एक बार महिला घर लौट गई,लेकिन रात को फिर वह रिपोर्ट लिखाने थाने पहुंची। पुलिस ने उसके बयान लिए।इसके बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया। अभी पार्षद को गिरफ्तार नहीं किया गया है।

एक लाख रुपए दिए थे महिला ने पुलिस को बताया कि उसका एक बैंक में एक लाख का कर्ज था। जिसे चुकाने के लिए पार्षद शानू ने एक लाख रुपये दिए थे। इसके बाद उसने मेरे एक ब्वायफ्रेंड से दूरी बनाने के लिए कहा। मैने इनकार किया तो उसने एक लाख रुपये वापस मांगे। मैने पचास हजार रुपये उसे दे दिए। बचा पैसा देने के लिए मैने उससे समय मांगा, लेकिन मेरे पास उसे देने के लिए पैसे नहीं थे। एक दिन पार्षद ने पैसे के बजाए संबंध बनाने को कहा और विदूर नगर के एक मकान में संबंध बनाए। इसके बाद उसने द्वारकापुरी में उसके एक आफिस में नौकरी दे दी। वहां भी उसने कई बार संबंध बनाए। बाद में उसने नौकरी से निकाल दिया। महिला ने आरोप लगाया कि शानू के अन्य महिलाओं के साथ भी संबंध है। यह बात मैने उससे कही तो उसने चुप रहने के लिए जान से मारने की धमकी दी। शानू ने मेरा जीवन बर्बाद कर दिया, इस कारण मैने उसके खिलाफ शिकायत की।

बिजली केबल से टकराया लोडिंग ऑटो रिक्शा, एक की मौत

इंदौर। इंदौर के कनाड़िया में मंगलवार शाम करंट लगने से एक की मौत हो गई। एक अन्य घायल है। दोनो दोस्त लोडिंग रिक्शा को धक्का लगा रहे थे। इस दौरान ऊपर से निकल रही खुली केबल से रिक्शा टच हो गया। हादसे में सुमित (21)पुत्र दिलीप घाटे निवासी भूरी टेकरी की करंट लगने से मौत हो गई। जबकि उसका साथी संजय (17) पुत्र रमेश रोकड़े घायल है। उसका एमवाय अस्पताल में उपचार चल रहा है। कनाड़िया पुलिस के मुताबिक मंगलवार शाम नजदीक रहने वाले शकील कबाड़ी की लोडिंग रिक्शा को धक्का लगा रहे थे। उसी जगह पर ऊपर से जा रही केबल लोडिंग रिक्शा से टच हो गई। इस वजह से दोनों की बॉडी से रिक्शा से चिपक गई। वहां मौजूद लोगों ने लकड़ी से केबल को दूर किया। और तुरंत उपचार के लिये एमवाय लेकर पहुंचे। यहां सुमित को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सुमित गुजरात की फैक्ट्री में काम करता है। उसकी शादी को दो साल हो गए। पत्नी को डिलीवरी के लिये इंदौर लेकर आया था। सुमित के तीन भाई और हैं। पिता मजदूरी करते हैं। सुमित के परिवार ने बिजली कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनके मुताबिक पहले भी कई बार केबल की मरम्मत को लेकर शिकायतें कर चुके हैं। लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

इंदौर में कैमरे से कटे 70 हजार चालान, सिर्फ पांच हजार ने भरे

इंदौर। इंदौर के सभी चौराहों पर आईटीएमएस सिस्टम के तहत कैमरे लगाए जा रहे हैं। शहर के 13 चौराहों पर इन कैमरों से चालान कटने लगे हैं। एक महीने के अंदर ही इन कैमरों से 70 हजार लोगों के चालान कटे हैं। हालांकि इनमें से सिर्फ पांच हजार ने ही चालान के पैसे भरे हैं बाकियों को जुर्माना राशि भरने के लिए अब पुलिस फोन लगाएगी। इंदौर ट्रैफिक पुलिस के द्वारा कैमरों से रोज दो हजार से अधिक चालान जनरेट किए जा रहे हैं। इनमें से रोज 200 से 300 लोग ही चालान भर रहे हैं। जून में लगभग 70 हजार चालान कटे हैं और पांच हजार के लगभग लोगों न चालान भरे हैं।

चालान भरने की यह है प्रक्रिया कैमरे से चालान कटने के बाद एक से दो दिन में मैसेज आता है। पहला मैसेज आने के बाद आप ट्रैफिक थाने जाकर चालान भर सकते हैं। अगर आप चालान भरने नहीं गए तो दूसरा मैसेज आपको 15 दिन के बाद आएगा। फिर आपको 15 दिन का और समय मिलेगा जिसमें आप चालान भर सकते हैं। इसके बाद भी यदि आप चालान नहीं भरते हैं तो यह चालान कोर्ट चला जाएगा। अब इसकी राशि भी बढ़ जाएगी। अब आपको 300 या 500 रुपए के चालान के एक हजार रुपए से अधिक भरना पड़ेंगे।

कोर्ट जाने के बाद यह है प्रक्रिया एडिशनल डीसीपी सुशील कुमार ने बताया कि इसके बाद भी चालान भरने के विकल्प हैं। एमपी आनलाइन से चालान भर सकते हैं और नेशनल लोक अदालत में चालान भर सकते हैं। सुशील कुमार ने बताया कि बहुत सारे लोग चालान नहीं भरते हैं लेकिन अब हम उन्हें फोन करके बुलाएंगे और चालान भरवाया जाएगा। यदि वे चालान नहीं भरेंगे तो उन्हें बाद में भी और अधिक पैनल्टी के साथ चालान भरना पड़ेगा।

ऑनलाइन चालान भरने में आ रही दिक्कत चालान कटने के बाद मैसेज के साथ चालान भरने की लिंक भी आती है। इस लिंक पर क्लिक करके पेमेंट किया जा सकता है। हालांकि ऑनलाइन पेमेंट करने में लोगों को दिक्कत आ रही है। कई बार पेमेंट कट जाने के बाद भी चालान निरस्त नहीं हो रहा है। इसलिए ट्रैफिक थाने पर जाकर चालान भरना ही उचित है।

पुल पर बह रहा पानी, कहीं घर और गाड़ियां डूबीं

बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से प्रदेश में जमकर बरस रहे बादल, आज से कमजोर होगा सिस्टम

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारी बारिश के कारण अनेक जिलों में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। इससे सामान्य जनजीवन पर असर पड़ा है। जोरदार बारिश से जहां नदियों के साथ बांधों का जल स्तर बढ़ गया है, वहीं निचले इलाकों में भी पानी भरने से लोगों की दिक्कतें बढ़ गई हैं। स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से प्रदेश में लगातार बरसात हो रही है। इससे कई जिलों में लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोगों के घरों में पानी घुस गया है और गलियां नदी-नालों में तब्दील हो गई हैं। एसडीईआरएफ और जिला प्रशासन की टीमें नाव और अन्य तरह से बचाव कार्य कर पानी में फंसे लोगों को लगातार बाहर निकाल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार 25 जुलाई से प्रदेश में बारिश का सिस्टम कमजोर हो जाएगा। हालांकि, कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होती रहेगी। तीन दिन बाद 28 जुलाई से प्रदेश के पूर्वी हिस्से में एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू होगा। 29 और 30 जुलाई को प्रदेश के उत्तरी हिस्से में तेज बारिश की आशंका जताई गई है।

बीना में 50 से ज्यादा मवेशी बह गए सागर जिले के बीना में लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया। बताया जा रहा है कि यहां 50 से ज्यादा मवेशी बह गए। टीकमगढ़ में सुबह 4 घंटे में 6 इंच पानी गिर गया। इससे शहर की कई कॉलोनियां पानी-पानी हो गई हैं। वहीं, छतरपुर के बमनोरा में धसान नदी का जलस्तर बढ़ जाने से टापू पर 59 लोग फंस गए। एसडीईआरएफ और पुलिस ने सभी को रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। सागर जिले में बीती रात से तेज बारिश का दौर जारी है। नरयावली विधानसभा के जेरई गांव में तालाब का पानी निचली बस्तियों में भर गया, जिससे करीब एक दर्जन घर आधे-आधे पानी में डूब गए। सूचना पर सागर से एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और वोट के जरिए लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके साथ ही दो मवेशियों का भी रेस्क्यू किया गया है। इसी तरह बीना में भी हालात खराब हैं। सागर जिले के बीना में बाढ़ आ गई। यहां लोगों के घरों में 4 फीट तक पानी भर गया। बताया जा रहा है कि बारिश के कारण करीब 10 मकान ढह गए और 50 से ज्यादा मवेशी भी पानी में बह गए हैं।

सड़क मार्ग का संपर्क टूटा टीकमगढ़ में सुबह से ही झमाझम बारिश हो रही है। सुबह चार घंटे में ही छह इंच से ज्यादा बारिश हुई। इससे शहर की कई कॉलोनियां जलमग्न हो गई हैं। लोगों के घरों में पानी भर गया है और गाड़ियां पानी में डूब गई हैं। शहर की कौशलपुरी कॉलोनी, गणेशपुरम कॉलोनी और मंडी रोड में लगातार हो रही बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालत बन गए हैं। मूसलाधार बारिश के कारण टीकमगढ़ जिला मुख्यालय का उत्तर प्रदेश के झांसी और ललितपुर से संपर्क टूट गया है। टीकमगढ़ से झांसी जाने वाले मार्ग पर पुनोल नाला पिछली 6 घंटे से उफान पर है, जिस कारण से दोनों तरफ वाहनों की कतार लगी हुई हैं। टीकमगढ़ से मऊरानीपुर मार्ग पर लार गांव के पास नदी उफान पर है। पुल के करीब 4 फीट ऊपर पानी बह रहा है। लार गांव के रहने वाले नरेंद्र सिंह प्रमाण ने बताया कि 30 साल बाद ऐसा हुआ है कि जब पुल के ऊपर पानी बह रहा है। टीकमगढ़ से ललितपुर को जोड़ने वाले मार्ग पर भी नदी नाले उफान पर हैं, पिछले 6 घंटे से यहां आवागमन बंद है। पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालन यंत्री इंद्र शुक्ला ने बताया कि ललितपुर, झांसी और मऊरानीपुर मार्ग बंद हैं। हालांकि, अभी छतरपुर मार्ग खुला हुआ है। अगर, शाम 5 बजे तक इसी तरह बारिश होती रही तो छतरपुर मार्ग भी बंद हो जाएगा। अगर, पुल पुलिया के ऊपर से पानी बह रहा है तो लोग उन्हें पार करने की कोशिश न करें।

जान जोखिम में डालकर स्कूली बच्चों ने पर की नदी प्रदेश के डिंडौरी जिले में भी बारिश के कारण हालात खराब हैं। यहां देर रात से हो रही बारिश के कारण नदी-नालों का जलस्तर बढ़ गया है। शहपुरा के मानिकपुर गांव में साकल नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। स्कूल जाने के लिए बच्चों ने जान जोखिम में डालकर नदी पार की। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

बेलगांव में पुल के ऊपर से बहा पानी, केबिन दफाई में बस्ती जलमग्न अनूपपुर जिले में मंगलवार की सुबह से देर रात तक झमाझम बारिश होती रही। इससे कोतमा विकासखंड की ग्राम पंचायत बेलगांव में बुधवार सुबह पुल जलमग्न हो गया। इसके लोगों का आवागमन दोपहर तक प्रभावित रहा। सुबह बच्चे स्कूल नहीं जा पाए और नौकरी-पेशा लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ी। बिजुरी नगर पालिका के वार्ड क्रमांक 12 में रेलवे लाइन के नजदीक स्थित केबिन दफाई में भारी बारिश के कारण लोगों के घरों में पानी घुस गया। इससे लोगों का जनजीवन अस्त- व्यस्त हो गया है।

नदी की बाढ़ में फंसे 59 लोगों को किया रेस्क्यू छतरपुर जिले घुवारा क्षेत्र के ग्राम कुटोरा के पास धसान नदी में अचानक बाढ़ आ जाने से नदी के उस पार गए 59 लोग फंस गए। बताया जा रहा है की नदी के उस पार टापू नुमा स्थान पर मंदिर भी है जहां निर्माण कार्य चल रहा था। वहीं, कई मजदूर मवेशी चराने के लिए नदी के पार गए थे। अचानक नदी उफान पर आ गई और करीब 59 लोग उस पार टापू पर फंस गए। सूचना पर प्रशासन और एसडीआरएफ होमगार्ड की रेस्क्यू टीम ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाला।

7.5 सीजीपीए से ज्यादा मार्क्स लाने वाले छात्रों को मिलेगा एडमिशन

उच्च शिक्षा विभाग ने जारी किए दिशा-निर्देश

भोपाल। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रदेश में इस सत्र से स्नातक (यूजी) चार वर्ष का हो गया है। यह ऑनर्स और ऑनर्स विथ रिसर्च में होगा। इसमें प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसके तहत यूजी चतुर्थ वर्ष ऑनर्स में तृतीय वर्ष एवं 120 क्रेडिट अर्जित करने वाले और आनर्स विथ रिसर्च में 7.5 सीजीपीए से अधिक अंक वाले विद्यार्थी पात्र होंगे। विद्यार्थी स्नातक चतुर्थ वर्ष में प्रवेश के लिए एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रवेश नवीनीकरण कर सकते हैं। वहीं चतुर्थ वर्ष में विद्यार्थी केवल मेजर विषय में ही प्रवेश ले सकेंगे। यूजी चतुर्थ वर्ष ऑनर्स/ऑनर्स विथ रिसर्च में प्रवेश अध्ययनरत महाविद्यालय में ही लिया जा सकेगा। आनर्स या ऑनर्स विथ रिसर्च का विकल्प महाविद्यालय में न मिलने की स्थिति में जिले के अंतर्गत निकट के अन्य महाविद्यालय में प्रवेश लिया जा सकेगा।

सीट खाली होने पर मिलेगा दूसरे कॉलेज में प्रवेश जिन विषयों में जिले के तहत महाविद्यालयों में ऑनर्स विथ रिसर्च न होने की दशा में प्रदेश के अन्य महाविद्यालय में सीट खाली होने की दशा में प्रवेश ले सकते हैं। विकल्प चयन के बाद विद्यार्थी को संबंधित कॉलेज में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होना पड़ेगा। महाविद्यालयों द्वारा सत्यापन के बाद प्रवेश शुल्क के लिए लिंक दी जाएगी। इसके बाद विद्यार्थी निर्धारित समय सीमा में प्रवेश शुल्क जमा करेंगे।

रिजल्ट नहीं आने पर प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा स्नातक तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित न होने की स्थिति में प्रोविजनल प्रवेश दिया जाएगा। कई विश्वविद्यालयों ने स्नातक तृतीय वर्ष का परिणाम घोषित नहीं किया है। विभाग ने आदेश दिए हैं कि स्नातक चतुर्थ वर्ष में प्रवेश अगले 15 दिन में पूरा किया जाए।

इंदौर, ग्वालियर और रीवा के सरकारी आयुर्वेद कॉलेजों को मिली मान्यता

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने बुरहानपुर की मान्यता रोकी, भोपाल- जबलपुर और उज्जैन को मिल सकती है जल्द

भोपाल। राज्य सरकार ने तीन नए एलोपैथी मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है, पर पहले से संचालित हो रहे आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता बचाने में भी विफल हो रही है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने मप्र के 22 समेत देशभर के 278 कॉलेजों की मान्यता जारी कर दी है, जिसमें इंदौर, ग्वालियर और रीवा का सरकारी आयुर्वेद कॉलेज भी शामिल है।

कमियां दूर नहीं की तो मान्यता नहीं मिलेगी बुरहानपुर आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज की मान्यता रोक दी गई है। सरकार ने कमियां दूर नहीं की तो मान्यता नहीं मिलेगी। यहां मापदंड के अनुसार फैकल्टी नहीं होने के कारण मान्यता रोकी गई है। भोपाल, जबलपुर और उज्जैन मेडिकल कॉलेज की मान्यता भी शीघ्र जारी होने की आशा है। बता दें कि बुरहानपुर आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस की कुल 56 सीटें हैं। यहां के कुछ फैकल्टी संचालनालय व मंत्रालय में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के पद मापदंड के अनुसार नहीं होने के कारण एनसीआइएसएम ने मान्यता रोकी है।

नहीं मिल पा रहे पात्र फैकल्टी एलोपैथी मेडिकल कालेजों में भी पदोन्नति से इन पदों को भरने के लिए पात्र फैकल्टी नहीं मिल पा रहे थे, इस कारण वहां सीधी भर्ती शुरू कर दी गई, पर आयुष (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) में ऐसी व्यवस्था नहीं होने के कारण पदोन्नति के पद भरना मुश्किल हो रहा है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डा. राकेश पाण्डेय ने कहा कि जो भी पद रिक्त हैं उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग की तरह सीधी भर्ती से भरा जाना चाहिए।

प्रेमी जोड़े ने बड़े तालाब में कूदकर दी जान

पति की हत्या के बाद उसके दोस्त संग हो गए थे संबंध

भोपाल। शहर के बड़े तालाब में एक प्रेमी जोड़े ने कूदकर आत्महत्या कर ली। बोट क्लब के पास एक महिला और पुरुष के शव मिलने से सनसनी फैल गई। तालाब किनारे मॉर्निंग वॉक करने आए लोगों ने पुलिस को खबर की। श्यामला हिल्स थाना पुलिस को प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग था। महिला के पति की इसी साल जनवरी में सागर में हत्या कर दी गई थी। मृतक उसके पति का दोस्त था। बुधवार सुबह करीब साढ़े आठ बजे बोट क्लब स्थित पंप हाउस के पास तालाब में दो लोगों के शव की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने गोताखोरों की मदद से दोनों के शव पानी से बाहर निकलवाए। घटना स्थल के पास ही महिला का टू-व्हीलर भी बरामद हुआ।

14 साल पहले की थी लव मैरिज मृतका की शिनाख्त 32 वर्षीय प्रिया साहू के रूप में हुई है, वहीं मृतक की पहचान दुर्गेश सोनी (32) के रूप में हुई। महिला की वर्ष 2010 में दशरथ साहू के साथ लव मैरिज हुई थी। दोनों का 12 साल का बेटा भी है। पति दशरथ की 6 महीने पहले सागर में हत्या हो गई थी। महिला का प्रेमी दुर्गेश उसके पति दशरथ का दोस्त था। दुर्गेश मूलत: सतना का रहने वाला था और सागर में ज्वेलरी दुकान में काम करता था।

कोर्ट केस का कहकर घर से निकला था मृतक के छोटे भाई अंकित ने बताया कि 07 जुलाई को दुर्गेश घर से ये कहकर निकला था कि उसे दशरथ के मर्डर केस में गवाह बनकर कोर्ट में पेशी के लिए जाना है। वहीं महिला बागसेवनिया के गायत्री विहार में रहती है। दुर्गेश का उसके घर आना-जाना रहता था। महिला का मायका भी पास के विश्वकर्मा नगर में है। उसके भाई मनमोहन ने बताया कि चार भाई-बहनों में प्रिया सबसे बड़ी थी। लव मैरिज के बाद हमारे परिवारवालों का उसके यहां आना जाना कम था। वो अपने बच्चे के साथ दूसरी कॉलोनी में रहती थी।

शराब के लिए चाय वाले ने रुपए नहीं दिए तो बदमाश ने मारा चाकू

भोपाल । दुकान पर चाय पीने पहुंचे एक युवक से इलाके के कुख्यात बदमाश ने शराब पीने लिए रुपये मांगे। अड़ीबाजी का विरोध करने पर बदमाश ने युवक को चाकू मारकर घायल कर दिया। वारदात के बाद आरोपित मौके से भाग निकला। उसके खिलाफ कई अपराध पहले से भी दर्ज हैं। युवक की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। टीला जमालपुरा थाना पुलिस के मुताबिक इलाके में रहने वाला दानिश नाम का युवक जनरेटर सुधारने का काम करता है। मंगलवार रात को वह अपने एक दोस्त से मिलने टीला जमालपुरा की हरिजन बस्ती में पहुंचा था। दोस्त को फोन लगाने के बाद वह चाय की दुकान पर उसका इंतजार कर रहा था। इसी दौरान उसी क्षेत्र में रहने वाला आदतन अपराधी अन्नी उर्फ अनीस वहां पहुंचा। उसने दानिश से अकारण गाली-गलौज करते हुए शराब पीने के लिए रुपये की मांग करना शुरू कर दी। दानिश ने रुपये देने से मना कर दिया। इस पर अनीस ने चाकू निकालकर दानिश पर हमला कर दिया। चेहरे पर चाकू का वार लगने से दानिश लहूलुहान हो गया। उसके बाद अनीस उसे धमकाते हुए वहां से भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

रानी कमलापति स्टेशन से किराए पर मिलेगी बाइक व स्कूटर

भोपाल। रानी कमलापति स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों को अब किराए से बाइक की सुविधा मिलेगी। जिसके लिए यात्री से आधार कार्ड के साथ ड्राइविंग लाइसेंस के दस्तावेज जमा कराए जाएंगे। यात्री को उसकी डिमांड के अनुसार स्कूटी या बाइक दे दी जाएगी। सबसे बड़ी बात यह है कि यदि कोई व्यक्ति दूसरे शहर से यहां सिंगल या डबल आता है और कम बजट पर शहर भ्रमण या पर्यटन स्थान घूमना चाहता है, तो उसके लिए यह सुविधा सबसे अच्छी रहने वाली है। बाइक की सुविधा के चार्ज कम से कम 3 घंटे से शुरू होंगे। स्कूटर 3 घंटे के 160 रुपए व बाइक के लिए 140 से 160 रुपए देने होंगे। 12 घंटे के लिए लगभग 400 रुपये चार्ज होंगे। रानी कमलापति स्टेशन पर बंजारा राइड का स्टाल लगा हुआ है। स्टाल संचालक निजाम कुरैशी ने बताया कि बंजारा राइड का एप भी है। जिसके माध्यम से बाइक, स्कूटर या कार बुक की जा सकती हैं। साथ ही स्टेशन से भी बुकिंग की जा सकती है। बाइक या स्कूटर बुकिंग के लिए 800 रुपये एडवांस जमा करने पड़ते है। गाड़ियों को 3, 6 और 12 घंटे के लिए बुकिंग की जाती है। इसके बाद एक दिन से लेकर महीने भर तक की बुकिंग की सुविधा है। जीपीएस से लैस हैं सभी वाहन किराए से दी जाने वाली सभी दो पहिया या चार पहिया वाहन जीपीएस ट्रैकिंग से लैस हैं। सरकारी नियमों को पूरा करते हुए यह बुकिंग पर दी जाएंगी।

फ्लैट बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले को पांच वर्ष का कारावास

भोपाल। राजधानी के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरुण सिंह ने धोखाधड़ी के मामले की सुनवाई करते हुए आरोपित जितेन्द्र ममतानी को पांच वर्ष के सश्रम कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी नीतू जैन ने पैरवी की। वर्ष 2020 में फरियादी ने थाना एमपी में शिकायत की थी। उसमें बताया था कि उसका परिचय वर्ष 2011 में जितेन्द्र ममतानी से हुआ था। जितेन्द्र ने बताया था कि उसने आइकान डेवलवपिंग प्राइवेट लिमिटेड कोलार रोड गेहूंखेडा में दो बीएचके का एक फ्लैट बुक किया है। उस फ्लैट को 17 लाख पचास हजार रुपये में खरीदने के लिए उसने वर्ष 2011 में जितेन्द्र ममतानी व डीएचएफएल बैंक के मध्य ट्रायपार्टी का अनुबंध कर लिया था। बुक किये गये फ्लैट के लिए फरियादी ने दो बार में तीन लाख पचास हजार रुपये जितेन्द्र को नगद दिए, जिसकी रसीद भी दी गई ।शेष राशि बैंक से फायनेंस की गई।

उसके बाद जितेन्द्र द्वारा फ्लैट उसके सुपुर्द किया जाना था। लेकिन जितेंद्र ने बैंक द्वारा फायनेंस की गई राशि 13 लाख 40 हजार रुपये भी प्राप्त कर लिए और फ्लैट उसे नहीं दिया। बाद में पता चला कि उसी फ्लैट को जितेंद्र ने किसी और को बेच दिया है। शिकायत की जांच के बाद जितेंद्र के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था।

साम्पदकीय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अब वर्जित नहीं रहा...

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के जाने पर लगे 58 साल पुराने प्रतिबंध को हटा लिया है। यानी अब सरकारी कर्मचारी भी आरएसएस की शाखाओं में जा सकते हैं। वहीं आम धारणा है कि सरकारी कर्मचारी को किसी भी संगठन या राजनीतिक दल का हिस्सा नहीं बनने दिया जाए, क्योंकि उससे तटस्थता, ईमानदारी, निष्पक्षता प्रभावित होती हैं।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाओं में सरकारी कर्मचारियों के जाने पर लगे 58 साल पुराने प्रतिबंध को हटा लिया है। यानी अब सरकारी कर्मचारी भी आरएसएस की शाखाओं में जा सकते हैं। अभी तक इस पर पाबंदी थी। 30 नवंबर, 1966 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आरएसएस और जमात-ए-इस्लामी को एक ही श्रेणी में रखकर पाबंदी लगाई थी। यानी दोनों संगठनों को कट्टरपंथी और सांप्रदायिक हिंसावादी करार दिया गया था। ऐसे ही ऑफिस मेमोरेंडम 1970 और 1980 में भी जारी किए गए थे। तब भी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ही थीं। करीब 58 साल के बाद इन एमओ की समीक्षा की गई और आरएसएस का नाम हटा दिया गया। संघ पर से पाबंदी हटा दी गई। नतीजतन किसी भी स्तर का सरकारी कर्मचारी अब घोषित तौर पर संघ का स्वयं सेवक बन सकता है। अब सरकारी कर्मचारी सार्वजनिक रूप से संघ की शाखाओं में शामिल हो सकेंगे। संघ के समारोहों और अभियानों में भी शिरकत कर सकेंगे। इससे पहले संघ की सोच और विचारधारा के सरकारी कर्मचारी छिप-छिप कर शाखाओं में तो जाते थे। ऐसा देखा जाता रहा है। संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वैच्छिक राष्ट्रवादी, सामाजिक संगठन है, जिसके 5.85 लाख सदस्य बताए जाते हैं। देशभर में संघ की 60,000 से अधिक शाखाएं हररोज लगती हैं। संघ राष्ट्रवादी, हिंदूवादी है, लेकिन अतिवादी नहीं हो सकता। यह एहसास देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार पटेल को हुआ, जिन्होंने महात्मा गांधी की हत्या के आरोप में आरएसएस पर पाबंदी थोप दी थी। 1948 में पाबंदी और 1949 में पश्चाताप। नतीजतन पाबंदी हटा ली गई। ऐसा ही एहसास तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को हुआ, जिन्होंने भारत-चीन युद्ध के बाद पहले गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी के राष्ट्रीय आयोजन के अवसर पर संघ को आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 में पूरे देश को आपातकाल में झोंक दिया था, लिहाजा संघ कैसे बच सकता था? वह पाबंदी 1977 में जनता पार्टी की सरकार के दौरान हटाई गई। 1992 में अयोध्या विवाद की हिंसा के मद्देनजर तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने भी संघ पर पाबंदी चस्पा की, लेकिन 4 जून, 1993 को उसे वापस भी ले लिया।

आरएसएस पर प्रतिबंध लगते रहे हैं और उसे अतिवादी, उग्रवादी भी समझा जाता रहा है, लेकिन उसका राष्ट्रवाद कइयों की समझ से परे है। संघ सनातनवादी सोच का भी है, लेकिन मुसलमान को भी एक ही डीएनए की प्रजाति मानता है, लिहाजा वह तिरस्कृत नहीं है। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने 10 साल सत्ता में रहने के बाद संघ की वर्जनाओं को समाप्त किया है, सरकारी कर्मचारियों के प्रवेश के रास्ते खोले हैं, लिहाजा इस निर्णय पर भी सवाल किए जा रहे हैं। संदेह व्यक्त किए जा रहे हैं। नाराज संघ को मनाने की कोशिश बताया जा रहा है। कांग्रेस समेत विपक्ष ने इस निर्णय को संविधान के खिलाफ करार दिया है और सरकारी दफ्तरों, संस्थानों पर संघ के कब्जे की परोक्ष कोशिश माना है। आरएसएस का मानना है कि नया फैसला और पाबंदियों से मुक्ति भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को ही मजबूत करेगी। संघ की स्थापना 1925 में की गई थी, लिहाजा यह संघ का शताब्दी-वर्ष है। इतने लंबे दौर में संघ ने खुद को जिंदा और प्रासंगिक रखा है, यह संघ का अनुशासन और संगठन ही है। आम धारणा है कि सरकारी कर्मचारी को किसी भी संगठन या राजनीतिक दल का हिस्सा नहीं बनने दिया जाए, क्योंकि उससे तटस्थता, ईमानदारी, निष्पक्षता प्रभावित होती हैं। सेंट्रल सिविल सर्विस कंडक्ट रूल, 1964 में सभी नियम दिए गए हैं कि सरकारी कर्मचारी का संगठनों में शामिल होने का आचरण क्या होना चाहिए। *नया एमओ 9 जुलाई को कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन मंत्रालय की ओर से जारी किया गया है। बीते कुछ अरसे से संघ और भाजपा के संबंधों में फासले आए थे। वैसे यह संबंध मां-बेटी का है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने बयान दिया था कि अब भाजपा को संघ की इतनी आवश्यकता नहीं है, जितनी अपने शुरुआती दौर में थी। इस बयान की व्याख्याएं ऐसे की गईं कि अब भाजपा खुदमुख्तार हो गई है। संघ और भाजपा में दरारों की भी बात कही गई। सत्य इससे कोसों दूर रहा है। खुद प्रधानमंत्री मोदी संघ के स्वयं सेवक हैं, लिहाजा उसकी अंतिम वर्जना भी समाप्त की है, लेकिन यह अब भी बहसतलब है कि सरकारी कर्मचारियों को किसी भी संगठन का हिस्सा होना चाहिए अथवा नहीं?*

गठबंधन सरकार को टिकाए रखने वाला बजट

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा पेश किया गया 2024-25 का बजट बेशक देश की आर्थिकी के विकास को आगे बढ़ाने वाला दूरगामी बजट है, लेकिन आम लोगों को बजट से तत्काल बड़ी राहत की जो उम्मीदें थीं, वह नदारद हैं। पहली नजर में यह साफ है कि केंद्र सरकार की प्राथमिकता अपनी गठबंधन सरकार को बचाए रखने की है।

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा सातवीं बार पेश देश के वर्ष 2024-25 के बजट में लोकसभा चुनाव के दौरान चर्चा में रही मोदी गारंटी की छाया ज्यादा नहीं दिखाई दी। बेशक यह बजट देश की आर्थिकी के विकास को आगे बढ़ाने वाला दूरगामी बजट है, लेकिन आम लोगों को बजट से तत्काल बड़ी राहत की जो उम्मीदें थीं, वह नदारद हैं। दरअसल, पहली नजर में यह साफ है कि मोदी सरकार की प्राथमिकता अपनी गठबंधन सरकार को बचाए रखने की है, जिस तरह जदयू और टीडीपी की बैसाखियों पर यह एनडीए सरकार चल रही है, उसके चलते बिहार और आंध्रप्रदेश पर मेहरबानी होना स्वाभाविक ही था। हालांकि, मोदी सरकार ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू द्वारा उनके राज्यों को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग ठुकरा दी है, लेकिन वो समर्थन के बदले केंद्र से ज्यादा हिस्सेदारी मांगते और लेते रहेंगे, यह तय है।

हैरानी की बात यह है कि इस साल जिन चार राज्यों महाराष्ट्र, हरियाणा, झारखंड और जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने हैं, उन्हें भी बजट में कुछ खास नहीं दिया गया है। लेकिन दीर्घकालीन विकास की दृष्टि से देखें तो यह बजट विकास की बुनियाद को मजबूत करने तथा उसी दिशा में आगे बढ़ने के संकल्प से प्रेरित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जहां इसे दूरगामी और देश को नई ऊंचाई पर ले जाने वाला बजट बताया है वहीं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे कुर्सी बचाओ बजट की संज्ञा दी है। इस बजट से यह राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है कि मोदी सरकार को अपनी मजबूती पर पूरा भरोसा है। साथ ही उसे इस साल होने वाले चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में जीतने के लिए किसी लोकलुभावन टोटके की गरज नहीं है। अब यह मोदी सरकार का आत्मविश्वास है अथवा अति आत्मविश्वास, यह तो विस चुनाव नतीजों से पता चल जाएगा।

पूरे बजट को अगर राजनीतिक नजरिये से देखें तो मोदी सरकार 3.0 के बजट में वित्त मंत्री ने लोकसभा चुनाव का नरेटिव बदलने वाले मुख्य मुद्दे जैसे कि बेरोजगारी, महंगाई व किसानों की समस्या आदि को एड्रेस तो किया है, लेकिन आराम के साथ और वो भी कुछ घुमा फिरा कर। बेरोजगारी की बात करें तो वित्तमंत्री ने एक भी ऐसी घोषणा नहीं की, जिससे यह संदेश जाए कि खुद सरकार बड़े नियोक्ता के रूप में सामने आना चाहती है। इस मामले में ज्यादातर भरोसा निजी क्षेत्र और स्वरोजगार पर जताया गया है। सरकार बड़ी 500 कंपनियों में इंटर्न शिप करने वाले युवाओ को पांच हजार रुपये का मासिक भत्ता देगी। लेकिन कितनी कंपनियां अनिवार्य रूप से इंटर्न रखेंगी और कितने इंटर्न रखेंगी, इसका कोई रोड मैप वित्तमंत्री ने नहीं दिया है।

कांग्रेस नेता पी. चिदम्बरम ने इस पर यह कहकर चुटकी ली कि इंटर्नशिप भत्ते का प्रावधान कांग्रेस का घोषणा-पत्र पढ़कर किया गया लगता है। दूसरी तरफ सरकार का जोर रोजगार कौशल विकास और अन्य रोजगार के अवसर बढ़ाने पर है। जबकि युवाओ को उम्मीद थी कि सरकार बड़े पैमाने पर सीधी भर्तियों का ऐलान करेगी। लेकिन वैसा कुछ बजट में नहीं है।

अलबत्ता बजट में देश के 4.1 करोड़ युवाओं के लिए पांच साल में रोजगार-कौशल और अन्य अवसरों के लिए प्रधानमंत्री की पांच योजनाएं और पहले की गई हैं, जिनमें ईपीएफओ में पंजीकृत पहली बार रोजगार पाने वाले कर्मचारियों को 15 हजार रुपये तक के एक महीने का वेतन तीन किस्तों में देना, कर्मचारी और नियोक्ता दोनों को सीधे विनिर्दिष्ट स्केल पर प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराना जो नौकरी के पहले चार साल में दोनों के ईपीएफओ योगदान पर निर्भर है।

सरकार नियोक्ता को उसके ईपीएफओ योगदान के लिए दो साल तक हर अतिरिक्तकर्मचारी पर 3000 हजार रुपए प्रत्येक महीना भुगतान का प्रावधान है। साथ ही अगले पांच साल की अवधि में 20 लाख युवाओं का कौशल बढ़ाने की बात कही गई है। सीधे नौकरी देना और नौकरी पाने के हालात पैदा करना दोनो अलग अलग बातें हैं। इसी तरह महंगाई को लेकर भी सरकार खास चिंता में नहीं दिखी। उसने जनता को सीधे मिलने वाली किसी राहत का ऐलान नहीं किया।

जहां तक किसानों की बात है तो बजट में कृषि और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपये की घोषणा हुई है। लेकिन किसानों की एमएसपी को कानूनी आधार देने की मांग का कोई जिक्र नहीं है। यहां तक कि किसान सम्मान निधि भी नहीं बढ़ाई गई है। मोदी सरकार का एक बड़ा समर्थक देश का मध्यम वर्ग रहा है। लेकिन बजट में आयकर छूट व स्टैंडर्ड डिडक्शन वृद्धि के रूप में ऊंट के मुंह में जीरे जैसी राहत दी गई है। क्योंकि जो टैक्स स्लैब बनाए गए हैं, वो इतने छोटे हैं कि एक वेतन वृद्धि और डीए में ही स्लैब बदल सकता है। न्यू टैक्स रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार रुपये से बढ़ाकर 75 हजार रुपये कर दिया गया है। साथ ही न्यू टैक्स रिजीम में टैक्स स्लैब में बदलाव किया गया है। वित्त मंत्री का दावा है कि इससे 10 लाख रुपये से ज्यादा वेतन पाने वालों को सालाना 17,500 रुपये तक की बचत होगी। लेकिन पुराने टैक्स रिजीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। देश में अधोसंरचना विकास और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की बात है। पूर्वोदय नाम से पूर्व व पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास के लिए योजना है। समूचे बजट में सबसे ज्यादा मेहरबानी बिहार और आंध्र पर ही दिखती है। यहां तक कि भाजपा शासित यूपी, मप्र, राजस्थान, छग आदि बड़े राज्यों को भी ज्यादा कुछ नहीं मिला है। ऐसे में विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्य जैसे कि पश्चिम बंगाल, पंजाब, तमिलनाडु, केरल आदि को तो उम्मीद भी रखनी नहीं चाहिए थी।

विपक्षी दल इसे बजट में राजनीतिक भेदभाव के रूप में देख रहे हैं। इसी तरह देश में बढ़ती रेल दुर्घटनाओं के मद्दे नजर रेल अधोसंरचना विकास के लिए ज्यादा रकम तथा सुरक्षा के बेहतर उपाय की बजट में नजर नहीं आए। किसी नई रेल का ऐलान भी नहीं हुआ। कैपिटल गेन टैक्स में राहत की बजाए उसे बढ़ाने के बजट प्रस्ताव से शेयर बाजार उठने की जगह और गिर गया। कुलमिलाकर मोदी सरकार यह मान कर चल रही है कि दो नेताओं को साधने से पूरी सरकार पांच सालों के लिए सध जाएगी। इसमें यह अतिआत्मविश्वास भी छिपा है कि जनता उसे आजादी की शताब्दी मनने तक भाजपा ही सत्ता में बनाए रखेगी। आम जनता क्या चाहती है और क्या सोच रही है, इसकी सरकार को ज्यादा चिंता है, ऐसा नहीं लगता। लिहाजा यह बजट तात्कालिक समस्याओं के समाधान के लिए नहीं बल्कि सुनहरे और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक और कदम तथा किसी महापूजा के पहले किए जाने वाले रस्मी आचमन की तरह है। आशय यह कि स्वर्णिम भारत बनाना है तो कुछ परेशानियां तो झेलनी ही होंगी।

आंकड़ों में दूसरा यथार्थ भी छिपा है, सरकार के लिए चुनौती पेश करेंगे कुछ विरोधाभास

बीते नौ जून को सत्ता में आई नई राजग सरकार का यह पहला पूर्ण बजट है। यह बजट कई मायनों में खास है, जो अगले पांच वर्षों के दौरान आर्थिक प्रबंधन के लिए नीतिगत ढांचे का प्रतिबिंब है। बजट की शुरुआत दो सावधानियों के साथ होती है- बढ़ती वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और वैश्विक मुद्रास्फीति का बढ़ता जोखिम। बजट भाषण में वित्त मंत्री द्वारा इन दो वैश्विक जोखिमों का उल्लेख दर्शाता है कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था इन वैश्विक जोखिमों के प्रति कितनी संवेदनशील है। वित्त मंत्री ने जोर देकर कहा कि इन जोखिमों के बावजूद भारत के विकास की गति बनी रहेगी। लेकिन इसके लिए एक स्थिर व व्यापक आर्थिक व्यवस्था, टिकाऊ ऋण और घरेलू निवेश व उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी बेहद जरूरी है। वित्त मंत्री ने अपने भाषण में भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए केंद्रीय बजट 2024-25 में नौ प्राथमिकताएं बताई हैं। इनमें उत्पादकता, नौकरियां, सामाजिक न्याय, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार और सुधार शामिल हैं। इन बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। हाल के वर्षों में बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती रही है। वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में कहा कि इस बार बजट में रोजगार, कौशल विकास, लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम आकार के उद्यम (एमएसएमई) एवं मध्यवर्ग पर खास ध्यान दिया गया है। बजट में रोजगार बढ़ाने या निजी क्षेत्र में रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। बजट में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय से संबंधित जिन पांच योजनाओं की घोषणा की गई है, वे समावेशी विकास और सामाजिक विकास के लिए सक्षम ढांचा बना सकती हैं। ये घोषणाएं इस तथ्य को भी रेखांकित करती हैं कि बेरोजगारी इस समय देश के सामने सबसे गंभीर एवं व्यापक आर्थिक समस्याओं में से एक है। कौशल विकास पारिस्थितिकी तंत्र और

रोजगार के अवसरों के बीच अंतर को पाटने के लिए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे को संबोधित करने के उद्देश्य से 2 ट्रिलियन (बीस खरब) रुपये के प्रधानमंत्री पैकेज के हिस्से के रूप में एक नई केंद्र प्रायोजित योजना की भी घोषणा की। 60 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय वाली इस योजना का लक्ष्य राज्य सरकारों और उद्योग के सहयोग से अगले पांच वर्षों में बीस लाख से अधिक युवाओं को कौशल प्रदान करना है। कौशल के परिणाम और गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो पाठ्यक्रम सामग्री और डिजाइन उद्योग की जरूरतों के अनुरूप है। 60 हजार करोड़ रुपये में से, राज्य सरकारें 20 हजार करोड़ रुपये और उद्योग जगत 10 हजार करोड़ रुपये का योगदान देगा, जिसमें उसके कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) फंड भी शामिल हैं। इस बजट में अगली पीढ़ी के सुधारों से संबंधित कई घोषणाएं की गई हैं। ये सुधार भूमि, श्रम, पूंजी, केंद्र-राज्य समन्वय और प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधित हैं। बजट में जलवायु अनुकूलन और शमन के लिए पूंजी की उपलब्धता बढ़ाने की खातिर सक्षम ढांचा बनाने पर भी जोर दिया गया है। इनमें से अधिकांश सुधारों का क्रियान्वयन राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। खास तौर से भूमि से संबंधित कोई भी सुधार राज्य सरकारों को ही करना होगा। संविधान की सातवीं अनुसूची के अनुसार, भूमि पर अधिकार, जमींदार और किरायेदार के संबंध सहित भूमि का स्वामित्व, और किराये का संग्रह; कृषि भूमि का हस्तांतरण तथा भूमि सुधार राज्य के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। पिछले दो दशकों में भूमि एवं भूमि बाजार में सुधार की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कुछ राज्यों में भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण एक बड़ी कामयाबी है। इस संबंध में राज्य स्तर पर व्यावहारिक भूमि संबंधी नीतिगत सुधारों के लिए विभिन्न राज्य स्तरीय नीतियों को समझना महत्वपूर्ण है। इस मामले में केंद्र सरकार केवल राज्यों को सक्षम बना सकती है। ये सुधार केंद्र सरकार द्वारा संचालित नहीं किए जा सकते। इसलिए ऐसे सुधारों के कार्यान्वयन की सफलता के लिए राज्य सरकारों के साथ परामर्श प्रक्रिया की शुरुआत करनी होगी। इस बजट में आयकर ढांचे में इस तरह परिवर्तन किया गया है कि आयकर भुगतान के बाद लोगों के हाथों में ज्यादा पैसा बचा रहे। इसके लिए मूल छूट सीमा को बढ़ाया गया है, जिसके तहत वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती को 50,000 रुपये से बढ़ाकर 75,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह पेंशनभोगियों के लिए पारिवारिक पेंशन पर कटौती में छूट सीमा भी 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है। बजट में आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की भी घोषणा की गई है। चूंकि आधुनिक कर प्रणाली सरल और प्रशासन में आसान है, इसलिए आयकर अधिनियम की समीक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। आयकर स्लैब में भी बदलाव किया गया है, जिससे आय वितरण के निचले छोर पर रहने वाले लोगों को मदद मिलेगी। हालांकि आयकर व्यवस्था वेतनभोगी और मध्यम वर्ग के हाथों में कर चुकाने के बाद अधिक आय प्रदान करती प्रतीत होती है। चूंकि ज्यादातर लोग नई कर व्यवस्था चुन रहे हैं, नए बजट के प्रावधानों के अनुसार, अब आम लोगों के हाथ में ज्यादा खर्च योग्य आय बचेगी, जिससे उन्हें महंगाई से निपटने में भी सहूलियत मिलेगी। लेकिन कैपिटल गेन टैक्स की दर में बदलाव, उन बदलावों के अनुरूप नहीं है, जो हाल के वर्षों में हमने वित्तीय बाजारों में देखे हैं। भारत के वित्तीय बाजार में खुदरा निवेशकों की भागीदारी बढ़ने से बदलाव की संभावना है। पिछले तीन वर्षों में जब भी देश से पूंजी का बहिर्गमन हुआ है, खुदरा निवेशकों ने ही मदद की है। कैपिटल गेन टैक्स में वृद्धि निवेशकों को विरोधाभासी संकेत दे सकती है तथा शेयर बाजार के आधार को बढ़ाने के बड़े नीतिगत लक्ष्य के विरुद्ध दिख सकती है। मगर राजकोषीय हिसाब-किताब के लिहाज से बजट के आंकड़े प्रभावशाली हैं। राजकोषीय विवेक के साथ चलते रहना होगा और केंद्र सरकार के ऋण और घाटे को राजकोषीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन अधिनियम के अनुरूप कम करना होगा।

चंदन, अबीर और गुलाल से श्रृंगार, भस्म आरती में जटाधारी स्वरूप में नजर आए बाबा महाकाल, खुली तीसरी आंख

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज तीन बजे भस्मारती की शुरुआत हुई। सबसे पहले वीरभद्र की आज्ञा लेकर चांदी गेट खोले गए और बाबा महाकाल का विशेष पूजन अर्चन कर भस्म आरती की गई। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रावण कृष्ण पक्ष की चतुर्थी और गुरुवार के महासंयोग पर सुबह 3 बजे भस्म आरती के दौरान वीरभद्र जी से आज्ञा लेकर मंदिर के पट खुले गए। पण्डे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर, पंचामृत और फलों के रस से किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही की भस्मारती में बाबा महाकाल का चंदन, अबीर, गुलाल से ऐसा श्रृंगार किया गया। बाबा महाकाल को जटाधारी स्वरूप में सजाया गया और उनकी तीसरी आंख भी खुल गई। पुजारियों और पुरोहितों द्वारा बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार कर कपूर आरती के बाद नवीन मुकुट और मुंड माला धारण करवाई गई। जिसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया। इंदौर एवं उज्जैन संभाग के संयुक्त संचालकगण ने किए भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन सम्भागीय योजना और सांख्यिकीय विभाग उज्जैन और इंदौर संभाग के संयुक्त संचालक डॉ पीएस मालवीय, माधव बेंडे और संभागीय स्टाफ के साथ भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे।

लोटी स्कूल परिसर में स्थित 5 उद्योगों पर चली जेसीबी

प्रशासन की टीम पहुंची अतिक्रमण हटाने, 40 वर्षों से चल रहे थे उद्योग

उज्जैन, उज्जैन में लोटी स्कूल की जमीन को प्रशासन ने शासकीय बताते हुए 40 वर्षो से काम कर रही कई कम्पनी मालिकों को नोटिस भेजकर बुधवार को अतिक्रमण से हटाने की कार्रवाई शुरू की है। लोटी स्कूल परिसर में प्रशासन की टीम ने 5 उद्योगों को हटाया है।तहसीलदार रुपाली जैन की कोर्ट से लोटी स्कूल की करीब 2800 स्क्वेयर मीटर की जमीन को शासकीय बताते हुए 8 फैक्ट्री संचालको को जमीन पर अतिक्रमण का नोटिस थमाया। नोटिस मिलने के बाद उद्योग संचालको में हड़कंप मच गया। नोटिस मिलने के बाद मंगलवार को उद्योगपतियों का दल कर्मचारियों के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचा था। लेकिन कलेक्टर ने अतिक्रमण की बात को लेकर तहसीलदार से मिलने को कहा था। आज एसडीएम एलएन गर्ग, तहसीलदार रुपाली जैन सहित अधिकारी लोटी स्कूल परिसर स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 3766 पर काबिज 8 उद्योगपतियों में से 5 उद्योगों को हटाने के लिए पहुंचा, यहाँ पर क्राउन स्टील वर्क्स के प्रोपराइटर फजल हुसैन,जैन फैब्रिकेटर प्रोपराइटर प्रवीण जैन,खान केमिकल प्रोपराइटर यूनुस खान,कन्हैया लाल मरमट और दिलीप जोशी के अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की। जो की शाम तक चलेगी। तहसीलदार रुपाली जैन ने बताया कि कई वर्षो से 8 उद्योग का सरकारी जमीन पर कब्ज़ा था। इनमे से आज 5 पर कार्रवाई की गई है। अगले तीन की भी 25 जुलाई को सुनवाई है। इसके बाद बचे हुए अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

कटनी जिले में लगातार बारिश से नदियों में उफान

प्रशासन ने की सावधानी बरतने की अपील

सुनील यादव । सिटी चीफ

कटनी कटनी जिले में लगातार बारिश के चलाते जिले के नदिया उफान में है ज़िला प्रशासन ने एहतियातन बढ़े जलस्तर वाले कई नदी- नालों और पुल- पुलियों पर बैरीकेटिंग कर आवागमन पर किया रोक लोगों से अपील की गई है कि मौके पर मौजूद होमगार्ड सैनिक, पंचायत सचिव, ग्राम कोटवार, सरपंच आदि के द्वारा बनाई गई व्यवस्था में सहायक बनें और सहयोग करें। वही कटनी शहर की बात की जाए तो नगर निगम सीमा क्षेत्र में भी जलभराव की स्थित निर्मित हो गई है और लोगो के घरों में भी नालों का पानी घुस रहा है। जिससे लोग आक्रोशित भी नजर आए। जिले के स्लीमनाबाद-पान उमरिया-ढीमरखेड़ा-विलायत कला मार्ग बेलकुंड नदी में सुबह से बाढ़ है जहाँ पर 8 फुट पानी पुल के ऊपर से चल रहा था। वही ग्रामीण इलाके भी जलमग्न है घरों में पानी भर चुका है। दतला, मोरी और बेलकुण्ड नदी उफान पर हैं। लगातार पानी गिरने से ढीमरखेड़ा में परेशानी हो रही है। प्रशासन के लोग घरों में पानी घुसने से लोगों को निकालकर सुरक्षित स्कूल व मंदिर में पहुंचा रहा है। जिले में अभी भी बारिश जारी है। जिले रातभर से वर्षा का दौर जारी है। जिले के ढीमरखेड़ा में नदियां उफान पर है और कई मार्ग बंद हो गए है। अकेले ढीमरखेड़ा क्षेत्र में पिछले 24 घंटे में 170 मिली मीटर बारिश हो चुकी है और लगातार वर्षा जारी है। यहां पर एसडीएम सहित होमगार्ड की टीमों को तैनात किया गया है। दूसरी ओर जिले के अन्य क्षेत्रों में मंगलवार की शाम से वर्षा शुरू हुई जो रात भर जारी रही और अभी भी क्रम जारी है। लगातार वर्षा से कटनी के शहरी इलाके में भी नाले नालियां उफान पर हैं।

यहां लगातार वर्षा से गायत्री नगर, मंगल नगर और सागर पुलिया में पांच फीट तक पानी भर गया। इसकी वजह से इन मार्गों से आवाजाही बंद हो गई। हालांकि कुछ घंटों बाद पानी की निकासी हो जाने से आवाजाही फिर शुरू हो गई। वर्षा का क्रम रूक-रूक कर जारी है। मौसम विभाग की ओर से जारी अलर्ट की वजह से प्रशासन जिले भर में पानी की वजह से बन रहे हालात पर नजर बनाए हुए है।कटनी कलेक्टर ने दिए निर्देश कलेक्टर अवि प्रसाद ने ढीमरखेड़ा एसडीएम विंकी सिंहमारे उइके ने इस क्षेत्र के निचले इलाकों के करीब आधा दर्जन गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रखने और उनके भोजन आदि का प्रबंध करने के लिए निर्देशित किया है। एसडीएम ढीमरखेड़ा ने बताया कि बम्होरी, घाना, सुनारखेड़ा, सिलौंड़ी, इटोली गांव में लगातार वर्षा से जलस्तर बढ़ गया है। इन गांवों में राहत शिविरों की व्यवस्था की गई है। वर्षा प्रभावित ग्राम घाना में राहत कैंप, भोजन व्यवस्था पंचायत भवन में और सुनारखेड़ा में सामुदायिक भवन में राहत कैंप बनाया गया है। इसी प्रकार से ग्राम पंचायत सिलौंड़ी के कस्तूरबा गांधी भवन में लोगों के ठहरने व भोजन की व्यवस्था कराई गई है।

मोक्षाचा मार्ग दाखवणारा बार्शिटाकळी पिंजर मार्ग शिवसेना बार्शिटाकळी तालुंका आरोप

संजय चव्हाण। सिटी चीफ

अकोला, बार्शिटाकळी ते पिंजर मार्ग कारंजा लाड पर्यंत रोडची ऐशी तैशी झाल्या बाबत सार्वजनिक बांधकाम विभाग अकोला येथे शिवसेना बार्शिटाकळी तालुक्याच्या वतिने निवेदन देण्यात आले दि./ 31/7/2024 पर्यंत या रस्त्याची दुरुस्ती न केल्यास व जनतेचे समाधान न झाल्यास दि/2/8/2024 रोजी रस्त्यावर बसुन शिवसेना स्टाईलने डफळे बजाव आंदोलन करण्यात येईल याची जबाबदारी संबंधितांची राहील संबंधितांनी याची नोद घ्यावी.. **यावेळी उपस्थित**- शिवसेना बार्शिटाकळी तालुंका प्रमुख गजानन पाटील मानतकर जि.प. सदस्य गोपालभाऊ भटकर जि.प. सदस्य गणेशभाऊ बोबडे मुर्तिजापुर विधानसभा सहसंघटक योगेश पाटील लाहोडकर तालुंका प्रसिद्धी प्रमुख जिवन राऊत जि.प. सर्कल प्रमुख क्रुष्णा पाचे नरेंद्र मते पाटील निलेश पाटील मानतकर तेजस सुर्वे व आजी माजी पदाधिकारी व शिवसैनिक उपस्थित होते.

सोरवा पुलिस ने 24 घंटे के भीतर किया अंधे कत्ल का पर्दाफाश

जादू टोना के शक में आरोपी भतीजे ने की काकी की हत्या

रिज़वान शेक । सिटी चीफ

पुलिस थाना सोरवा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सोरवा कोस्बा फलिया मे दिनांक 22.07.2024 की रात्रि करीबन -22.00 बजे 23.07.2024 के प्रात: 07.00 बजे के मध्य मृतिका कमती पति गुजला भीलाला ओहरिया उम्र-55 साल नि. सोरवा कोठार कोस्बा फलिया को अज्ञात बदमाश द्वारा धारदार हाथियार से सिर मे चोट पहुचाकर हत्या कर दी फरियादी धुन्दरीया पिता गुजला भीलाला उम्र-40 साल निवासी सोरवा कोठार कोस्बा फलिया की रिपोर्ट पर थाना सोरवा के अपराध क्रमांक-135/2024 धारा-103(1) (भा.न्या.स.) का अज्ञात आरोपी के विरुद्ध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । दौरान विवेचना श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राजेश व्यास श्रीमान अति.पुलिस अधीक्षक महोदय श्री प्रदीप पटेल के मार्गदर्शन एवं श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी(पुलिस) महोदय (एसडीओपी) अश्विनी कुमार एवं श्रीमान बी.एल. अटोदे (डी.एस.पी. महिला सेल) के निर्देशन मे अज्ञात आरोपी की पतारसी हेतु टीम का गठन किया गया । गठित टीम द्वारा दिनांक 23.07.2024 को संदेही आरोपी ईडु पिता किशन जाति ओहरिया भीलाला उम्र-40 साल निवासी ग्राम सोरवा कोस्बा से पुछताछ करते जुर्म स्वीकार किया जुर्म स्वीकार करते आरोपी ईडु पिता किशन को गिरफ्तार किया आरोपी ईडु से पुछताछ मे आरोपी ईडु पिता किशन द्वारा बताया कि करीबन 01 साल पहले मेरी औरत रमली की मौत हो गई थी जिसे मेरी काकी कमती ने जादु टोना कर मारा दिया था तब से मेरा झगडा मेरी काकी से डाकनी की बात को लेकर होता रहता था करीबन 20 दिन पहले मै गुजरात गया था वहॉ पर भी मेरी काकी ने जादु टोना कर मुझे पागल कर दिया फिर मैने वही ईलाज करवाया फिर अभी कुछ दिन पहले मै गुजरात से घर आया मेरी काकी कमती के जादु टोने से मैं परेशान हो गया था काकी के जादू टोन से परेशान होकर मै घटना के दिन शाम को दो बियर पिया खाना खाया और उसके बाद घर से कुल्हाडी एवं बास का डिंगा लेकर करीबन 12.00 बजे काकी कमती के घर बत्ती(टार्च) लेकर गया । बत्ती(टार्च) से अंधेरे मे काकी को पहचान लिया और मैने काकी के सिर मे जमकर 04-05 चोट कुल्हाडी से मारी और 02 बार डिंगे की मारी और डिंगा वही छोडकर भाग गया । कुल्हाडी को घर के पास बैगन की वाडी मे डाल दिया । टार्च जो काकी को मारने के लिये साथ लेकर गया व घटना के समय जो कपडे पहने थे वह उकाम पिता किशन के चारे वाले घर मे मुंगफली के पाले मे छिपाकर रख दिये ऐसा आरोपी द्वारा अपने कथन मे बताया गया बाद आरोपी ईडु के बताये अनुसार आरोपी के कब्जे से आरोपी के द्वारा घटना मे प्रयुक्त कुल्हाडी, टार्च, व घटना के समय पहने कपडे जप्त किये गये ।

सराहनीय योगदान :- अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अश्विनी कुमार एवं बी.एल. अटोदे (डी.एस.पी. महिला सेल) के निर्देशन मे थाना प्रभारी सोरवा उनि. दिलिप सिह चंदेल थाना सोरवा से स्टाफ सउनि.कांतिलाल मावी, प्रआर.295 मगनसिह सोलंकी, मप्रआर.258 हिरा रावत, प्रआर.158 भुवानसिह मोरी, आर.225 बलवन्त वसुनिया, आर.471 जितेन्द्र अवास्या, आर.344 दिलिप आर.183 बलराम, आर.427 कलरसिह का सराहनीय योगदान रहा ।

कट्ठीवाड़ा पुलिस ने जब्त की 51 लाख रु. से अधिक मूल्य की शराब

अज्ञात मकान मालिक के खिलाफ मामला दर्ज

रिज़वान शेक। सिटी चीफ

अलीराजपुर, थाना कट्ठीवाड़ा में 23.7.2024 को रात्रि में मूखबीर द्वारा सूचना मिली कि ग्राम कवछा स्कूल फलिया के पास खेत में बने सुने मकान में अवैध शराब संग्रहित कर रखी हुई हैं । सूचना पर थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर , मौके से हमराह बल के रवाना होकर ग्राम पहुंच स्कूल फलिया के पास बने खेत में पहुंचे जहां एक ओर पक्का मकान बना हुआ था जहां मकान का ताला लगा हुआ था मौके पर उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर की उपस्थिति में ताला तोड़ने का पंचनामा तैयार कर मकान में प्रवेश किया गया जो घर के अंदर अवैध शराब की कुल 1289 पेटियां पाई गई जिसमे 12187.56 लीटर कीमती शराब होकर करीब 51,65,600/- कि होना पाया जाने से उक्त अवैध शराब को मौके से जप्त कर वीडियोग्राफी की गई व अज्ञात मकान मालिक के विरुद्ध अपराध 34 (2)आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए मण्डलायुक्त सहारनपुर ने लॉन्च किया पोर्टल

एक क्लिक पर मिलेगी समस्त आवश्यक सुविधाओं की जानकारी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर। कांवड यात्रा 2024 को सकुशल एवं सुविधाजनक सम्पन्न कराने हेतु मण्डलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने जिलाधिकारी मनीष बंसल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवान, नगर आयुक्त संजय चौहान की उपस्थिति में कांवड यात्रियों की सुविधा के लिए वैब पेज लिंक एवं क्यूआर कोड का लोकार्पण किया। मण्डलायुक्त सहारनपुर डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि जिलाधिकारी सहारनपुर एवं इनकी टीम द्वारा विकसित किया गया वैब पेज लिंक एवं क्यूआर कोड कांवड़ यात्रियों की सुविधा के दृष्टिगत बहुत की सराहनीय कार्य है। उन्होंने बताया कि इस लिंक को गूगल मैप से जोडा गया है। इसके माध्यम से कांवडियों को अपने नजदीकी शौचालय, चिकित्सा शिविर, पानी एवं पैट्रोल स्टेशन, ढाबा एवं रेस्टोरेंट, थाना चौकी, रूट डायवर्जन एवं कांवड शिविर सहित हेल्पलाईन नम्बरों की भी जानकारी श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने इस कार्य के लिए जिलाधिकारी सहारनपुर एवं उनकी पूरी टीम की सराहना की।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि कांवड यात्रा के दौरान अन्य जनपदों एवं राज्यों के श्रद्धालु जनपद सहारनपुर से होकर गुजरते है। उन सभी को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराने हेतु यह पहल की गयी है।

यह लिंक एवं क्यू आर कोड जनपद के मुख्य कांवड़ मार्ग, मैन चौराहों सहित अन्य प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएंगे जिससे एक क्लिक या स्कैन करने पर कांवडियों को सभी सुविधाओं की जानकारी अपने मोबाईल पर प्राप्त हो जाएंगी। इसके माध्यम से कांवडियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान भी आसानी एवं जल्दी से किया जाएगा। जनपद में दी जाने वाली सुविधाओं के स्थलों को गूगल मैप पर भी प्रदर्शित किया गया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, जिला पंचायत राज अधिकारी आलोक शर्मा, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता सहित मीडिया बंधु उपस्थित रहे।

कांवडियों की सुविधा के लिए रोडवेज की बसें लगाएंगी अतिरिक्त फेरे : डीएम मनीष बंसल

चालक एवं परिचालक यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के साथ करें मधुर व्यवहार :- जिलाधिकारी मनीष बंसल

रिज़वान शेक । सिटी चीफ

सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि कांवड मेला 2024 के दृष्टिगत मेले में बहुत अधिक संख्या में कांवडिए हरिद्वार को गंगा जल लेने जाएंगे तथा हरिद्वार से गंगा जल लेकर विभिन्न मार्गों से होते हुए हरियाणा एवं हिमाचल तथा प्रदेश के विभिन्न जनपदों में अपने गंतव्य स्थलों पर पंहुचेंगे। शिवभक्तों को आवागमन के तहत किसी प्रकार की समस्या न आए उसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सडक परिवहन निगम सहारनपुर द्वारा 02 अगस्त 2024 तक बसों का अतिरिक्त परिभ्रमण बढाते हुए संचालन किया जाएगा। डीएम मनीष बंसल ने चालकों एवं परिचालकों को निर्देश दिए कि मार्गों पर बसों के संचालन के समय यात्रियों एवं श्रद्धालुओं से मधुर व्यवहार करें तथा यथासम्भव श्रद्धालुओं की सहानुभूति पूर्वक सहायता करें। उन्होंने क्षेत्रीय प्रबन्धक यूपीएसआरटीसी सहारनपुर को निर्देश दिए कि सभी बसें ऑनरोड रहें। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबन्धक ने बताया कि दिल्ली से हरिद्वार तक अभी 26 बसें, ऋषिकेश तक 20 बसें एवं देहरादून तक 47 बसें संचालित हैं। इसके साथ ही सहारनपुर से हरिद्वार के लिए 30 बसें, मुजफ्फरनगर से हरिद्वार एवं ऋषिकेश के लिए 30 बसें सहारनपुर से देहरादून के लिए 24 बसें संचालित की जा रही है। आवश्यकता पडने पर इनमें वृद्धि की जाएगी।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने निर्देश देते हुए कहा कि मेला अवधि में यूपीएसआरटीसी के किसी उपाधिकारी एवं कार्मिक को किसी आपातकालीन स्थिति को छोडकर अवकाश स्वीकृत न किया जाए। अवगत कराना है कि कांवडियों के आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे विभाग द्वारा स्पेशल मेला ट्रेनों के साथ ही अन्य ट्रेनों का भी संचालन किया जा रहा है।

आईये रक्तदान के इस महाअभियान को हम सभी मिलकर सफल बनायें

31 जुलाई को प्रातः 10 बजे से लगेगा कलेक्टर कार्यालय में रक्तदान शिविर

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, जिले के नागरिकों से कहा आप जानते हैं, जैसे हवा है, पानी है, वैसे ही रक्त भी हमारी जिंदगी का आधार है। अनेक मरीज ऐसे होते हैं जो जिला अस्पताल में या अन्य अस्पतालों में आते हैं, उन्हें इलाज के दौरान खून की आवश्यकता होती है। कई बार हमारे पास खून उपलब्ध नहीं होता है, तो उन्हें जबलपुर, सागर या भोपाल रिफर करना पड़ता है, यह स्थिति सुधारने की बहुत आवश्यकता है। इसलिए हम दो मोर्चो पर काम कर रहे हैं, पहला मोर्चा यह है कि हम अधिक से अधिक रक्तदान को प्रोत्साहित करें और दूसरी तरफ जो रक्त ब्लड बैंक में उपलब्ध है उसका सही डिस्ट्रीब्यूशन हो ताकि हर व्यक्ति को जिसे रक्त की आवश्यकता है, उसे समय पर रक्त मिल सके।

इसके लिए दो काम शुरू किये जा रहे है, पहले ऐसे रक्तदाता जो लगातार रक्तदान करते हैं उनकी सूची बनाई जायेगी, इसमें कई सामाजिक संगठन हमारा सहयोग कर रहे हैं। यदि आपके जहन में कोई नाम हो, जो लगातार रूप से रक्तदान करते हैं, और जो इसके लिए उत्साहित है, तो उनके नाम जरूर बताएं, उनके नाम सूची में जोड़े जायेंगे और समय-समय पर उन्हें आमंत्रित किया जायेगा। दूसरा काम यह शुरू कर रहे हैं कि हर महीने कम से कम एक मेगा रक्तदान शिविर लगाया जायेगा। इस श्रृंखला में जुलाई महीने का पहला रक्तदान शिविर कलेक्टर कार्यालय के ग्राउण्ड फ्लोर में जनसुनवाई वाले कक्ष में लगाया जायेगा, यह शिविर 31 जुलाई को प्रात: 10 बजे से शाम तक लगेगा। इसमें अधिकारी-कर्मचारी रक्तदान करेंगे। साथ में आम जनता से भी आग्रह किया है कि वह भी यहां पर आए और अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर रक्तदान करें।

खून की एक-एक बूंद किसी का जीवन बचा सकती है, इसके लिए क्या करें क्या ना करें सोशल मीडिया पर इसके फ्लायर्स जारी किये जा रहे हैं, जिससे यह पता रहे कि आप रक्तदान के लिए पात्र है या नहीं है, आप रक्तदान कर सकते हैं या नहीं कर सकते हैं और उसको देखने के बाद आप अवश्य रक्तदान में भाग लें। इसको हमें एक जन आंदोलन के रूप में परिवर्तित करना पड़ेगा।

दमोह की जनता से आग्रह करते हुए कहा अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में आए यहां पर दो प्रकार की यूनिट लगेंगी, एक मोबाइल यूनिट लगी रहेगी जो कि एक वेन है जिसमें एक समय में दो रक्तदाता रक्तदान कर सकते हैं। इसके अलावा अंदर कलेक्टर कार्यालय जनसुनवाई कक्ष में ग्राउंड फ्लोर पर 4 से 5 बेड भी लगाये जायेंगे, उन बेडों पर भी रक्तदान की सुविधा उपलब्ध होगी। सभी से पुनः आग्रह करते हुये कहा आइये रक्तदान के इस महा अभियान को हम सभी मिलकर के सफल बनाएं।

करणी सेना परिवार के मुखिया जीवन सिंह शेरपुर और उनके साथीयों के खिलाफ मंदसौर पुलिस ने किया झूठा मामला दर्ज

करणी सेना परिवार ने दि बड़े आंदोलन की चैतावनी

जिवन सिंह शेरपुर जावरा, लेन-देन के विवाद में बेहपुर के एक व्यक्ति के साथ हुई मारपीट के मामले में भावगढ़ थाना पुलिस ने करणी सेना परिवार के प्रदेश मुखिया जीवन सिंह शेरपुर सहित 10 लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मामला 21 जुलाई की शाम का है। बताया जाता है कि लेन-देन के विवाद को लेकर बेहपुर बस स्टैंड पर महेंद्रसिंह देवड़ा के साथ मारपीट हुई थी। देवड़ा ने थाने में शिकायत दर्ज करवाते हुए बताया कि उसके साथ लट्ठ एवं पाइप से मारपीट की गई। पुलिस ने रंजीत सिंह निवासी नयापुरा, धर्मेंद्र सिंह निवासी आकतवासा, जितेंद्र सिंह सोलंकी निवासी सुजापुर, जितेंद्र सिंह राठौर निवासी कंसेर, राहुल सिंह निवासी भाड़पचलाना, गिरीराज सिंह धंधोड़ा निवासी मंदसौर, कृष्णपाल सिंह धंधोड़ा, संतोष धनगर निवासी बेहपुर, शिवराजसिंह निवासी रिछाचांदा और करणी सेना प्रमुख जीवन सिंह शेरपुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इस पुरे मामले में करणी सेना का कहना है कि जिस व्यक्ति ने आरोप लगाया है वह बहुत बड़ा हिस्ट्रीशीटर हैं और इसके खिलाफ 22 से ज़्यादा मामले दर्ज हैं तो कुछ मामलों में फरार है जिन लोगों के उपर पुलिस ने मारपीट का मामला दर्ज किया है उनमें से सात से ज्यादा लोगों की लोकेशन उसी समय अलग अलग स्थानों पर सीसीटीवी फुटेज में आ रही है सभी को राजनीतिक षड्यंत्र कर झूठा फंसाया जा रहा है।

प्रदेश संगठन मंत्री शैलेंद्र सिंह झाला ने बताया कि जिस व्यक्ति ने मारपीट का आरोप लगाया है वह खुद बहुत बड़ा हिस्ट्रीशीटर होकर उसके कहने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है इसमें कही ना कही राजनीति षड्यंत्र भी है जिन लोगों पर मामला दर्ज किया है उनमें से सात से ज्यादा लोगों की लोकेशन अलग अलग स्थानों पर घटना के समय थी जिनके सीसीटीवी फुटेज हमारे पास उपलब्ध है वहीं जिस समय की घटना बताई जा रही है उस समय जीवन सिंह शेरपुर अपने निवास पर थे जिसके प्रमाण भी हमारे पास मौजूद है सारे प्रमाण लेकर इस झूठे मामले के खिलाफ करणी सेवा परिवार पुरे मध्य प्रदेश में बड़ा आंदोलन करेगी जिसकी तैयारी हम कर रहे हैं।

एमपी के शहडोल में पुलिस से ज्यादा चोर है एक्टिव

पुलिस गस्त की खुली पोल, चोरो ने कई घरो के चटकाए ताले

अधिकारियों ने कहा बढ़ाएंगे रात्रि गस्त में कर्मचारी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले के तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र में बीती रात चोरी की घटना घटित हुई, जिसमें लाखों रुपए का सामान चोरी हुआ है। पुलिस ने बताया कि शिकायत पर चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर तलाश की जा रही है। जिले में आए दिन चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही है।

केस नंबर 1

ब्यौहारी थाना क्षेत्र के नगर में घर का ताला तोड़कर चोरों ने सोने चांदी के जेवरात सहित नगदी रुपए लेकर फरार हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि चिराग चंचलानी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है, पुलिस के अनुसार चिराग का परिवार दूसरे कमरे में सो रहा था तभी अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। अलमारी में रखे सोने चांदी के कीमती जेवरात व नगदी रुपए लेकर कर चोर फरार हो गए हैं।

केस नंबर 2

इस तरह कोतवाली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 14 के रहने वाले अरुण सिंह के घर का ताला तोड़कर चोरी की वारदात हुई है, घर में रखें जेवरात एवं नगदी रुपए लेकर अज्ञात चोर फरार हो गए हैं। जब सुबह परिजन उठे तो उन्हें पता लगा कि उनके घर में चोरी की घटना हो गई । जिसके बाद पुलिस को मामले की जानकारी दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और अज्ञात चोरों के विरुद्ध अपराध दर्ज करते हुए पड़ताल शुरू कर दी है।

केस नंबर 3

सीधी थाना क्षेत्र में कपड़ा दुकान का ताला तोड़कर चोरी की घटना घटित हुई है, राकेश गुप्ता ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि वह रोज की तरह बीती रात भी अपने समय पर दुकान बंद कर घर चले गए,जब सुबह लोगों ने उन्हें फोन पर बताया कि उनकी दुकान का ताला टूटा हुआ है, जब वह मौके पर पहुंचे तो देखा की कपड़ा दुकान में रखे नगदी एवं कीमती कपड़े लेकर कर चोर फरार हो गए थे , राकेश गुप्ता ने मामले की शिकायत पुलिस से की है पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

प्रतिक्रिया .....

लगातार पुलिस रात्रि गस्त करती है, गस्त में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाएगी। तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र में चोरी की घटना हुई है, जिसमें लाखों रुपए के जेवरात एवं नगदी चोरी हुए हैं, शिकायत के आधार पर तीनों मामलों पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

अभिषेक दीवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

वारासिवनी-खैरलांजी मार्ग पर स्थित पेट्रोल पम्पों में बुनियादी सुविधाएं नदारद

जनपद सदस्य हरिशंकर बनवारी ने की संचालकों पर कार्यवाही की मांग

शरद धनेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, पेट्रोल पंप पर पेट्रोल, डीजल के अलावा कुछ जरूरी सुविधाएं निश्चित रूप से होती हैं। ये सुविधाएं पूरी तरह से मुफ्त होती हैं और इसका लाभ कोई भी उठा सकता है। पेट्रोल पंप की ये सुविधाएं ओपन होती हैं और पेट्रोल पंप संचालक इन सुविधाओं को देने से इनकार नहीं कर सकता है। इसके लिए मार्केटिंग डिसिप्लिन गाइडलाइंस के तहत नियम-कानून भी बने हुए हैं। लेकिन दुख की बात है कि वारासिवनी से खैरलांजी मार्ग पर स्थित सभी पेट्रोल पम्पों में इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, तदाशय की बात नगपुरा जनपद सदस्य श्री हरिशंकर बनवारी ने कही, श्री बनवारी ने बताया कि इस मार्ग पर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम आदि के लगभग चार-छह पेट्रोल पम्प है जहां से ग्राहकों को पेट्रोल एवं डीजल तो मिल रहा है परन्तु शौचालय, पेट्रोल जांच सुविधा, प्राथमिक उपचार सुविधाएं, एयर आदि की सुविधाएं नदारद है। श्री बनवारी ने कहा कि उन्हें पिछले दिनों इस मार्ग से आगे चांदपुर जाना था, आवश्यकता पड़ने पर वे इस मार्ग पर स्थित सभी पेट्रोल पम्प पहुंचे परन्तु किसी भी पेट्रोल पम्प में उपरोक्त बुनियादी सुविधाएं नदारद थी। श्री बनवारी ने इन पेट्रोल पम्प को संचालित करने वाले संचालकों पर कड़ी कार्यवाही की मांग जिला कलेक्टर से की है।

राजस्व महाअभियान द्वितीय चरण के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय समिति का गठन

राजस्व महाअभियान 2.0: दमोह में तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु समिति का गठन

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, राजस्व महा-अभियान द्वितीय चरण 16 जुलाई से 31 अगस्त 2024 के सफल क्रियान्वय हेतु जिला नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। यह समिति महाअभियान से संबंधित समस्त प्रकार की तकनीकी समस्याओं का समाधान करेगी। गठित समिति में अपर कलेक्टर मीना मसराम को नोडल अधिकारी एवं अधीक्षक भू-अभिलेख डॉ सुरेखा यादव को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, साथ ही जिला प्रबंधक ई-गर्वनेस शाखा दमोह महेश अग्रवाल, जे.डी.ई.ओ. सूर्य कुमार चढ़ार, जे.डी.ई.ओ. जयदीप सिंह एवं डी.सी. दुर्गेश कुमार अहिरवार को तकनीकी सदस्य नियुक्त किया गया है। राजस्व महाअभियान 2.0 अंतर्गत नामांतरण, बटवारा, अभिलेख दुरस्ती की प्रतिदिन न्यायालयवार एवं प्रकरणवार दैनिक रिर्पोट जिला प्रबन्धक ई-गर्वनेंस नोडल अधिकारी महेश अग्रवाल को हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। तकनीकी सदस्य राजस्व महा-अभियान द्वितीय चरण 16 जुलाई से 31 अगस्त 2024 अंतर्गत सौपे गए समस्त दायित्व में प्रति दिवस नोडल अधिकारी को दैनिक प्रगति से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे एवं राजस्व महा-अभियान 2.0 में अपेक्षानुसार प्रगति लाएँगे

सावधान, जल भराव वाले स्थानों पर पिकनिक सेल्फी लेने से बचे

अफसर करे सतत निगरानी मौसम एप की ले मदद - कलेक्टर

मोहम्मद मुनीर 7 सिटी चीफ शहडोल, कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं तहसीलदारों व अन्य संबंधित अधिकारियों से कहा कि बाढ़ आपदा की रोकथाम व बचाव के लिए सर्तक रहें। उन्होंने कहा कि जिले में कहीं भी यदि बाढ़ या आपदा आदि की स्थिति बनती है, तो तत्परता से उसके रोकथाम व बचाव कार्य में जुट जाए। इसके लिए पंचायत स्तर तक के कर्मचारी व जिम्मेदार नागरिकों से समन्वय स्थापित करें और बाढ़ आपदा की बचाव व रोकथाम की दिशा में आवश्यक कार्यवाही करें। बरसात को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर तरूण भटनागर ने शहडोल जिले के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि कि बरसात के समय बाढ़ वाले इलाके जैसे नदियां, नाले, पुल आदि में जाने से बचें। उन्होंने कहा कि सूचना के लिए रेडियो सुनना, टेलीविजन देखना,सजग रहें कि आकस्मिक बाढ़ भी आ सकती है। किसान मौसम ऐप का प्रयोग कर मौसम की भविष्यवाणी को जानें। आकस्मिक बाढ़ आने की कोई संभावना हो तो किसी ऊचें स्थान पर तुरंत चले जाएं, नदियों, नहरों, नालों, घाटियों तथा अचानक बाढ़-ग्रस्त होने वाले अन्य क्षेत्रों से परिचित रहे। इन क्षेत्रों में बारिश के बादल या भारी बारिष जैसी किसी विशिष्ट चेतावनी के साथ या उसके बिना आकस्मिक बाढ़ आ सकती है, अपने घर की नालियों में बाढ़ के पानी को घुसने से रोकने के लिए मोरी की जालियों (सीवर ट्रैप्स) में चेक वाल्व लगाए। उन्होंने नागरिको से अपील करते हुए कहा कि बाढ़ वाले इलाकों में ड्राइविंग न करें तथा गीले हों अथवा पानी में खड़े हों तो बिजली के उपकरणों को नही छूंए। बारिश में साफ़ पानी और शुद्ध भोज्य पदार्थ का ही प्रयोग करें। युवा तथा अन्य सभी जल भराव वाले स्थानों पर सेल्फी लेने, पिकनिक करने, नहाने, कपड़े धोने और मवेशी धोने आदि के कार्य न करें तथा इन स्थलों से दूर रहें।

अवैध कोयला उत्खनन रोकने 30 गड्ढों को किया गया बंद

कलेक्टर तरूण भटनागर के निर्देशन में खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन पर कार्यवाही

मोहम्मद मुनीर। सिटी चीफ शहडोल, कलेक्टर तरूण भटनागर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल जिले के अंतर्गत खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग के संयुक्त कार्यवाही द्वारा ग्राम बटुरा तहसील बुढार में अवैध रूप खनिज कोयला उत्खनन हेतु बनाये गये 30 गड्ढो को बंद किया गया तथा अधिकारियों द्वारा कहा गया कि पुनः अवैध कोयला उत्खनन हेतु गड्ढे निर्मित किये जाने पर खनिज विभाग को तत्काल सूचना दें। जिससे अवैध कोयला अवैध उत्खनन परिवहन की रोकथाम की जा सकें।

बस स्टेण्ड क्षतिग्रस्त भवन का निरीक्षण आदि कार्रवाही
अगले 4 दिवस के अंदर कर रिपोर्ट दी जाये

यात्री बस से प्रतिदिन 10 रूपये शुल्क लिये जाने के नगर पालिका को दिये निर्देश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, दमोह बस स्टैंड निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कहा है कि बस स्टैंड दमोह के क्षतिग्रस्त भवन का निरीक्षण आदि सभी कार्रवाही अगले 4 दिन के अंदर कर लिया जाए। यहां पर लोगों के बैठने, खाने-पीने, शौचालय आदि की अस्थाई व्यवस्था आगामी समय तक के लिए सुनिश्चित की जाये। बैठक में एसडीएम दमोह, जिला परिवहन अधिकारी, सीएसपी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग तथा नगर पालिका अधिकारी को संयुक्त निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया । बस स्टेण्ड परिसर अतिक्रमण के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यहां पर पानी, प्रकाश और खाने-पीने, शौचालय आदि की व्यवस्था के संबंध में दिशा निर्देश देते हुए सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सीएसपी से कहा गया। बस स्टैंड से खाली खड़ी बसों को अगले 15 दिवस के भीतर हटाए जाने के लिए निर्देश दिये। साथ ही बस स्टैंड में खड़ी होने वाली प्रति बस पर एक अगस्त से प्रतिदिन 10 रूपये शुल्क लिए जाने के निर्देश नगर पालिका अधिकारी को दिये।

गरीब, महिलाओं, युवा और अन्नदाताओं को सशक्त बनाने वाला है नया बजट

नए बजट में दिखीं मोदी सरकार की नौ प्राथमिकताएं

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री कमल प्रताप सिंह ने केंद्र सरकार के नए बजट का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने जो बजट पेश किया है वह देश, देश के युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों और समाज के हर वर्ग को ताकत देगा। बजट के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार ने देश को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प जताया है। वर्ष 2024-25 का केंद्रीय बजट हर वर्ग के लिए 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। उन्होंने बजट को सर्वसमावेशी बताते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है।

नए बजट में दिखीं मोदी सरकार की नौ प्राथमिकताएं

भाजपा भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल प्रताप सिंह ने कहा कि समाज के हर वर्ग की बेहतरी को ध्यान में रखकर तैयार किए गए नए बजट में मोदी सरकार की नौ प्राथमिकताएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। बजट में कृषि में उत्पादकता और अनुकूलनीयता, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, अवसंरचना, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधारों पर केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बहुआयामी बजट में पूरा ध्यान दिया गया है। यह बजट 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोड मैप देगा, जो भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का खाका भी तैयार करेगा।

हर वर्ग के सशक्तीकरण पर बल- भाजपा जिला मीडिया प्रभारी विनय केवट ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी जिन चार जातियों युवा, महिला, गरीब और किसानों की बात करते हैं, नए बजट में उनके सशक्तीकरण पर जोर दिया गया है। बजट में महिलाओं और बालिकाओं को लाभ पहुंचाने वाली योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. जो महिला विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। युवाओं से संबंधित रोजगार और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी 5 योजनाओं के लिए 2 लाख करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। 5 सालों में 4.1 करोड़ युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। 20 लाख युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा। देश में उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख रुपये के लोन का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा युवाओं को पहली जॉब पर 15 हजार रुपए सीधे ईपीएफओ अकाउंट में मिलेंगे। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए कृषि और उससे जुड़े सेक्टरों के लिए 1.53 लाख करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। 6 करोड़ किसानों की जानकारी लैंड रजिस्ट्री पर लाई जाएगी। 5 राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे। 32 फसलों के लिए 109 नई किस्में लाई जाएंगी तथा दलहन एवं तिलहन के उत्पादन पर जोर दिया जाएगा। बजट में 1 करोड़ किसानों को नेचुरल फॉर्मिंग से जोड़े जाने का प्रावधान किया गया है। गरीबों को आवास उपलब्ध कराने के लिए नए बजट में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में तीन करोड़ अतिरिक्त मकान बनाने की घोषणा की गई है। जनजातीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान की शुरुआत की जाएगी। इससे 63 हजार गांवों में 5 करोड़ आदिवासी भाईयों-बहनों को लाभ होगा।

घरेलू नोकझोक बुजुर्ग ने लगा दी छलांग, पुलिस ने बचाई जान

देश भक्ति जन सेवा के मायने हुए चरितार्थ, हो रही प्रसंशा

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, शहडोल पुलिस के दो जांबाज जवानों ने तालाब में डूब रहे एक वृद्ध की जान बचाकर बहादूरी की मिशाल कायम कर दी है पुलिस जवानो की इस साहस भरी कार्यवाई की सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। वरिष्ठ अधिकारियो ने भी पुलिस जवानो को जहा शाबासी दी है वहीं वृद्ध के परिजनो ने दोनो पुलिस जवानो को साधुवाद दिया है। सोमवार की दोपहर शहडोल के हृदय स्थल पर स्थित झूला पुल वाले तालाब में एक वृद्ध ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने की खातिर पानी में छलांग लगा दिया। उसी दौरान रास्ते से गुजर रहें उपनिरीक्षक (रेडियो) आशुतोष व सहायक उपनिरीक्षक (रेडियो) सुशील तिवारी की खुदकुशी की कोशिश करने वाले वृद्ध पर नजर पड़ गई। आनन-फानन में दोनो पुलिस कर्मियों नें तत्परता दिखाते हुये नजदीकी एफआरव्ही सहित पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित कर दिया। बिना देर किये उपनिरीक्षक आशुतोष पाण्डेय और डायल 100 के पायलट धीरेन्द्र सिंह तालाब में कूद गये और पानी में डूबते वृद्ध को सुरक्षित बाहर निकाल लिये।

इसके बाद पुलिसकर्मियों ने वृद्ध को अस्पताल लाया और प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें छुट्टी दे दी है, बताया जाता है कि वृद्ध की उसके घर में किसी बात को लेकर नोक-झोक हुई थी। इसी बात से व्यथित होकर उसने खुदकुशी करने की कोशिश कर डाली। लेकिन मारने वाले से बड़ा बचाने वाला होता है यह तो गनीमत रही कि जांबाज पुलिस वालो की उस पर समय रहते नजर पड़ गई जिसके फलस्वरूप वृद्ध की जान बच गई। बहरहाल पुलिस अधीक्षक कुमार प्रतीक ने उपनिरीक्षक आशुतोष पाण्डेय, सहायक उपनिरीक्षक सुशील तिवारी और पायलट धीरेन्द्र सिंह के साहसिक एवं मानवीय कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। बता दें कि शहडोल पुलिस की इस जांबाजी ने यह सिद्ध कर दिया है हमारी पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है।

प्रतिक्रिया....

पुलिसकर्मी रास्ते से गुजर रहे थे तभी यह घटना देख जानकारी डायल हंड्रेड एवं पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई थी,नजदीक में डायल हंड्रेड मौजूद थी घटना स्थल पुलिसकर्मी पहुंचे और उसे सुरक्षित बाहर निकल गया है अस्पताल में उपचार के बाद उन्हें घर छोड़ दिया है। **रावेंद्र तिवारी, थाना प्रभारी थाना कोतवाली, शहडोल**

जीवन ज्योति अस्पताल हुआ सील

डीएचओ ने की कार्यवाही

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्री बीएस जामोद, कलेक्टर तरुण भटनागर के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. लाल के निर्देशन में जिले में संचालित अवैध क्लीनिको,अस्पतालों, पैथालॉजी तथा छोलाछाप चिकित्सको के विरुद्ध सतत रूप से कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में आज डी.एच.ओ. डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. एस.डी. कंवर एवं मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी बुढार डॉ. आरके वर्मा द्वारा जनपद पंचायत बुढार के अमलाई में संचालित जीवन ज्योति अस्पताल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जांच में पाया गया कि जीवन ज्योति (जे.जे.) अस्पताल का लाइसेंस निरस्त होने के बावजूद भी संचालित की जा रही थी जिसे मौके पर ही डीएचओ एवं रूजोपचार टीम द्वारा सिलिंग की कार्यवाही की गई।

शिविर में दिव्यांगो को वितरित किये गए ट्राइसाइकिल

अवसर पे उप संचालक सामाजिक न्याय सुश्री प्रज्ञा मरावी व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह ने आज जनपद पंचायत गोहपारू परिसर में दिव्यांग शिविर के दौरान दिव्यांगों को ट्राइसाइकिल वितरित किया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती प्रगति वर्मा, उप संचालक सामाजिक न्याय सुश्री प्रज्ञा मरावी व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

हथौड़े से सिर फोड़ पत्नी को मारा फिर पति ने खुद लगा ली फांसी

उज्जैन। चिंतामण थाना क्षेत्र में 23 जुलाई की रात पति-पत्नी के बीच कुछ ऐसा विवाद हुआ कि पति ने पहले बेरहमी से पत्नी पर हथौड़े से वार कर उसकी हत्या कर डाली और बाद में जब उसे पुलिस का डर सताया तो खुद भी फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. पुलिस को जैसी ही घटना की जानकारी मिली तो वह मौके पर स्नस्रु की टीम के साथ पहुंची. स्नस्रु और पुलिस की जांच के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए उज्जैन जिला अस्पताल भेज दिया गया. चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि 24 जुलाई की सुबह जानकारी मिली कि लेकोडा गांव में एक व्यक्ति ने फांसी लगा ली है. जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची. जब घर का दरवाजा खोलकर देखा गया तो एक युवक फांसी पर झूल रहा था, जबकि एक महिला की लाश चारपाई पर पड़ी हुई थी. पुलिस टीम ने जब आसपास के लोगों से दोनों के बारे में जानकारी निकाली तो पता चला कि मृतक का नाम अर्जुन मोगिया (37) और चारपाई पर पड़ी लाश उसकी पत्नी धापू बाई (35) की है.

पति-पत्नी के बीच होता था विवाद पुलिस ने जब आसपास के लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि धापू बाई अर्जुन की दूसरी पत्नी थी. दोनों के बीच आए दिन विवाद होते रहते थे. संभवता इसीलिए अर्जुन ने पहले धापू बाई को मौत के घाट उतारा और जब उसे पुलिस का डर सताया तो उसने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. चिंतामण थाना पुलिस के साथ ही स्नस्रु की टीम घटनास्थल पर पहुंची थी. स्नस्रु टीम ने फांसी के फंदे पर लटक रहे अर्जुन मोगिया को पहले नीचे उतारा. उसके बाद अर्जुन और उसकी पत्नी धापू बाई के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. इसके बाद स्नस्रु टीम घटनास्थल पर फिंगर प्रिंट्स और अन्य जांच करने में जुट गई. पुलिस टीम ने आसपास के लोगों के बयान भी लिए, जिससे इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी लग सके. 24 जुलाई की सुबह जब जिला अस्पताल में अर्जुन और उसकी पत्नी धापू बाई के शव को लाया गया, तब यहां पर गांव के कुछ लोग उनके साथ पहुंचे थे. लोगों ने बताया कि मंगलवार रात को अर्जुन के घर से लड़ाई-झगड़े की आवाज में आ रही थी.

पोस्टमार्टम के बाद खुलेगा मौत का राज- लोगों ने बताया कि दोनों के बीच रात को यह विवाद कितनी बजे तक चला, ये तो हमें नहीं पता, लेकिन आज सुबह अर्जुन की छोटी बेटी हमारे घर आई थी, जिसने हमें बताया था कि पापा ने फांसी लगा ली है. यह जानकारी लगते ही हमने तुरंत चिंतामण थाना पुलिस को सूचना दी और उन्होंने आकर घर का दरवाजा खोला. चिंतामण थाना पुलिस ने बताया कि अभी मामले में कुछ भी बता पाना मुश्किल है. हम जांच-पड़ताल करने में जुटे हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के बाद ही इस मामले में आगे कुछ कहा जा सकेगा.

राष्ट्र के नाम संबोधन में बोले जो बाइडेन

राष्ट्रपति पद का सम्मान लेकिन देश से ज्यादा प्यार

इंटरनेशनल डेस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन राष्ट्रपति पद की रेस से हटने के बाद गुरुवार तड़के पहली बार देश को संबोधित किया। संबोधन के दौरान जो बाइडेन अपने फैसले के बारे में लोगों को जानकारी दी और नई पीढ़ी को मशाल सौंपने की बात कही। इसके अलावा वह नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वर्तमान उपराष्ट्रपति और नई उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए समर्थन की मांग भी की। ओवल ऑफिस से देश के नाम अपने आखिरी भाषण में बाइडेन ने कहा कि देश में नई सोच और नई आवाजों के लिए जगह है। इस दौरान उन्होंने कहा, 'सार्वजनिक जीवन में लंबे समय के अनुभव का अपना महत्व होता है, लेकिन साथ ही नई आवाजों, ताज़ा आवाजों, और हां युवा आवाजों का भी अपना एक समय और स्थान होता है।' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने 'अपनी पार्टी को एकजुट' करने के लिए व्हाइट हाउस की दौड़ से अपना नाम वापस ले लिया है। जो बाइडन कई हफ्तों तक यह जोर देकर कहते रहे थे कि वे ही पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को टक्कर देने वाले सबसे बेहतरीन उम्मीदवार हैं। हालांकि फिर अचानक उन्होंने इस रेस से हटने का ऐलान कर दिया। ऐसे में इस भाषण के जरिए बाइडेन ने पहली बार जनता को सीधे संबोधित करते हुए अपने इस फैसले के पीछे की वजह बताई। बाइडेन के इस संबोधन पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई थीं। वह एक दिन पहले ही कोविड संक्रमण से ठीक होने के बाद व्हाइट हाउस लौटे हैं। इससे पहले बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर हमले के एक दिन बाद देश को संबोधित किया था। बाइडन ने अपने भाषण के अंत में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के लिए अपने समर्थन का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, मैं हमारी महान उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को धन्यवाद देना चाहता हूं। वह अनुभवी हैं। वह दृढ़ हैं। वह सक्षम हैं। वह मेरे लिए एक अद्भुत साथी और हमारे देश के लिए एक नेता रही हैं।

वैज्ञानिकों ने किया ये चौकानें वाला खुलासा

समुंदर में नशे में चूर घूमती मिलीं शार्क मांसपेशियों और जिगर में मिला कोकीन

ब्राजील में शार्क पर किए गए एक अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए 13 शार्क के पोस्टमार्टम में उनमें कोकीन की पुष्टि हुई है। इस खोज ने दुनिया को चौंका कर रख दिया है। कोकीन ब्राजीलियन शार्पनोज प्रजाति के 13 शार्क की मांसपेशियों और जिगर में पाया गया। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो के तट के पास 13 ब्राजीलियाई शार्पनोज़ शार्क पर यह अध्ययन किया गया था। वैज्ञानिकों द्वारा किए गए परीक्षण में शार्क के 92 प्रतिशत मांसपेशियों और 23 प्रतिशत लिवर के नमूने भी लिए गए थे इसके बाद से समुद्री जीवों की सुरक्षा पर पड़े ड्रग्स के दुष्प्रभाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जिस समुद्री क्षेत्र में शार्क में ड्रग्स पाए गए हैं वह रियो डी जेनेरियो के पास का है। बताया जा रहा है कि इस जगह पर समुद्र के पानी में यह ड्रग्स पाया गया। वैज्ञानिकों के अनुसार, शार्क में कोकीन की सांद्रता काफी अधिक पाई गई। पहले जिन जीवों पर परीक्षण किया गया था, उससे 100 गुना अधिक सांद्रता शार्क में मिली है। वैज्ञानिकों का कहना है कि कोकीन ब्रेन पर सीधा असर करती है। इससे उनका व्यवहार अनियमित हो सकता है।

इसके साथ ही यह शार्क की आंखों को भी प्रभावित करता है, जिससे उनका विजन कमजोर हो सकता है। साथ ही इसका असर शार्क के शिकार करने की क्षमता पर भी पड़ता है और उनकी उम्र भी कम हो सकती है। इस मामले में आगे और अध्ययन की बात कही जा रही है। समुद्र में कोकीन कैसे पहुंचा, इसकी कोई खास पुष्टि तो नहीं हो सकी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि दवाइयों की प्रयोगशालाओं से आ रहे ड्रेनेज का पानी समुद्र में मिल रहा है और उनमें मौजूद ड्रग मछलियों तक पहुंच रहा है। बताया कि मैक्सिको और फ्लोरिडा के विपरीत, यहां समुद्र में कोकीन की गांठें बहुत ज्यादा नहीं डाली जाती हैं। इससे यह संभावना बनती है कि शार्क ने इन गांठों को खाया हो। ताजा शोध से यह भी पता चला है कि ड्रग्स की वजह से शार्क पागल तक हो सकती है, इसके साथ ही इससे शार्क के शारीरिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

मरियम नवाज का दावा- इमरान के घर आतंकियों को दी जा रही ट्रेनिंग

इस्लामाबादः पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने मंगलवार को दावा किया कि जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के आवास का उपयोग ''आतंकवादियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र के रूप में किया गया, जहां पेट्रोल बम बनाए गए और राय में हमलों की योजना बनाई गई। मरियम ने दावा किया कि चार महीने की उस अवधि के दौरान खान ने नौ मई, 2023 को सरकारी भवनों और प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमले की योजना बनाई, जब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता ने पैर में चोट लगने का ''नाटक किया। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, एक बयान में मरियम ने खान की पार्टी की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह समूह अराजकता पैदा करने और राय को नुकसान पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करता है। खबर के मुताबिक, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के सुप्रीमो नवाज शरीफ की बेटी मरियम ने आरोप लगाया कि क्रिकेटर से राजनेता बने खान का लाहौर स्थित आवास 'आतंकवादियों के लिए प्रशिक्षण केंद्र बन गया। खान को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा 19 करोड़ पाउंड के कथित भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करने के बाद पिछले साल नौ मई को देशभर में व्यापक हिंसा भड़क गई थी। नौ मई के विरोध प्रदर्शन के दौरान पीटीआई कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने सेना मुख्यालय और स्मारकों सहित सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला किया और तोड़फोड़ की। उधर, पाकिस्तानी अधिकारियों ने सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के आरोप में PTI के केंद्रीय कार्यालय को सील कर दिया है। इस्लामाबाद के महानगर निगम ने पीटीआई और इमरान खान के सामने बढ़ती कानूनी चुनौतियों के बीच सोमवार को यह कार्रवाई की। अधिकारियों ने राजधानी के जी8-4 इलाके में स्थित इमारत के गेट पर नोटिस चिपका दिया है। स्थानीय मजिस्ट्रेट के हस्ताक्षर वाले नोटिस में कहा गया है कि इमरात को इस्लामाबाद फायर प्रिवेंशन एंड लाइफ सेफ्टी रेगुलेशन, 2010 की धारा 5 (3) के तहत सील किया गया है।

लॉरेंस बिश्नोई ने मुझे, मेरे परिवार को मारने के लिए घर पर फायरिंग कीः सलमान खान ने मुंबई पुलिस से कहा

नेशनल डेस्क। सलमान खान के मुंबई के गैलेक्सी अपार्टमेंट पर हुई गोलीबारी में मुंबई पुलिस को एक्टर ने अपना बयान दिया। सलमान खान ने मुंबई पुलिस से कहा कि मेरा मानना है कि लॉरेंस बिश्नोई ने मुझे, मेरे परिवार को मारने के लिए गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल द्वारा दर्ज किया गया उनका बयान उस आरोपपत्र का हिस्सा है जो पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में दायर किया था। 1,735 पन्नों की चार्जशीट में सलमान खान ने लॉरेंस बिश्नोई और उसके गिरोह के सदस्यों से उन्हें और उनके परिवार को वर्षों से मिल रही धमकियों का विवरण साझा किया है। बयान में अभिनेता ने कहा कि गोलीबारी की घटना 14 अप्रैल को तड़के हुई जब वह सो रहे थे. मैंने पटाखे जैसी आवाज़ सुनी। फिर, लगभग 4.55 बजे, पुलिस अंगरक्षक ने कहा कि बाइक पर दो लोगों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट की पहली मंजिल की बालकनी पर हथियार से गोलीबारी की थी। मुझे और मेरे परिवार को पहले भी चोट पहुँचाने की कोशिश की गई थी मुझे यह भी पता चला है कि लॉरेंस बिश्नोई ने सोशल मीडिया से हमले की जिम्मेदारी ली है, इसलिए मेरा मानना है कि यह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह है जिसने मेरी बालकनी पर गोलीबारी की है। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें पता चला कि लॉरेंस बिश्नोई और उनके भाई अनमोल बिश्नोई ने एक फेसबुक पोस्ट में हमले की जिम्मेदारी ली थी। इससे पहले भी लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग के सदस्यों ने एक इंटरव्यू में मुझे और मेरे रिश्तेदारों को मारने की बात कही थी। इसलिए, मेरा मानना है कि लॉरेंस बिश्नोई ने अपने गिरोह के सदस्यों की मदद से गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया जब मेरे परिवार के सदस्य अंदर सो रहे थे और मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को मारने की योजना बना रहे थे इसलिए उन्होंने हमले को अंजाम दिया। सलमान खान और उनके भाई अरबाज खान के बयान 4 जून को चार सदस्यीय अपराध शाखा टीम द्वारा दर्ज किए गए थे। एक अधिकारी ने कहा कि जहां अभिनेता का बयान लगभग चार घंटे तक दर्ज किया गया था, वहीं उनके भाई अरबाज का बयान दो घंटे से अधिक समय तक दर्ज किया गया था। सलमान खान ने उन कई मौकों का भी विवरण दिया जब लॉरेंस बिश्नोई और उसके गिरोह के सदस्यों ने उन्हें धमकी दी थी। अपने बयान में, अभिनेता ने कहा कि 2022 में, उनके पिता - सलीम खान - को उनके अपार्टमेंट भवन के सामने एक बेंच पर एक पत्र मिला था जिसमें उन्हें और उनके परिवार को धमकी दी गई थी। उसके बाद, मार्च 2023 में, मेरी टीम के एक कर्मचारी से मेरे आधिकारिक ईमेल पर लॉरेंस बिश्नोई द्वारा मुझे और मेरे परिवार को धमकी देने वाला एक ईमेल प्राप्त हुआ। इस संबंध में, मेरी टीम के सदस्य द्वारा बांद्रा पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया था। अभिनेता द्वारा हस्ताक्षरित बयान पढ़ा गया। उन्होंने आगे कहा कि इस साल जनवरी में, दो लोगों ने पनवेल में उनके फार्महाउस पर फर्जी नाम और पहचान का उपयोग करके अतिक्रमण करने का प्रयास किया। इस मामले में केस भी दर्ज किया गया था। सलमान खान ने कहा, मुझे पुलिस से पता चला कि जिन दो आरोपियों ने फार्महाउस में अतिक्रमण करने की कोशिश की थी, वे राजस्थान के फाजिल्का गांव के थे, जो लॉरेंस बिश्नोई का गांव है अभिनेता ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों को हमेशा सतर्क रहने के लिए कहा है और उन्हें मुंबई पुलिस द्वारा वाई प्लस सुरक्षा प्रदान की गई है।

विदेशी ताकतों ने रोका था मोदी का 400 पार रथ दुनिया के हर 9वें चुनाव में अमेरिका और रूस दखल

इंटरनेशनल डेस्क। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा ने सीटों का आंकड़ा 400 के पार जाने के दावे किए थे लकिन ये आंकड़ा 300 की संख्या भी पूरी नहीं कर पाया था। परिणाम आने के बाद भाजपा की कई बैठकों में दिग्गज नेताओं ने चुनावों में इसके पीछे विदेशी ताकतों के दखल की बात कही । मई में लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि विदेशी ताकतें भारत के आम चुनावों को प्रभावित करने में लगी हुई हैं लेकिन वो इसमें सफल नहीं हो पाएंगी। एक इंटर०?यू में उन्होंने यह भी दावा किया था कि। चीन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जरिए भारत के चुनावों में हस्तक्षेप करने में लगा हुआ है। ये सच भी है कि दुनिया के कई देशों के चुनावों में किसी न किसी रूप में विदेशी दखल की बात सामने आती रही है। मोदी के इस बयान को कहीं न कहीं अमेरिका की उस रिपोर्ट पर निशाना भी माना जा रहा है, जिसमें मानवाधिकार, भ्रष्टाचार के आरोपी विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी के साथ सीएए समेत कई मुद्दों का जिक्र था। इस रिपोर्ट में बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की गई थी। पिछले दिनों विदेश मंत्रालय की तरफ से भी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की साल 2024 की रिपोर्ट पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की गई थी। इस रिपोर्ट में भारत पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के विशेष रूप से गंभीर उल्लंघनों में शामिल होने या उसे बर्दाश्त करने का आरोप लगाया गया था। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि पश्चिमी मीडिया खुद को भारतीय चुनाव प्रक्रिया में एक पॉलिटिकल एक्टर मानता है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा था कि-हमारे विरोधी जिसमें यह सच है कि विदेशी ताकतें भी शामिल हैं। कई विदेशी ताकतें भाजपा को नुकसान पहुंचना चाहती है। हमें इसे लेकर सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि विदेशी ताकतें किसी भी कीमत पर सत्तारूढ़ पार्टी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं क्योंकि वे भारत की विकास दर से नाखुश हैं।

दुनिया के हर 9 में से 1 चुनाव में अमेरिका-रूस का दखल

लेविन ने अपनी किताब किताब मेडलिंग इन द बैलेट बॉक्स- द कॉजेज एंड इफेक्ट्स ऑफ पार्टिजन इलेक्टोरल इंटरवेंशन में लिखा है 1946 से वर्ष 2000 के दौरान 938 चुनावों का परीक्षण किया गया। इनमें से 81 चुनावों में अमेरिका, जबकि 36 चुनावों में रूस ने दखल दिया। दोनों के आंकड़े अगर मिला दिए जाएं तो अमेरिका और रूस ने 938 में से 117 चुनावों में हस्तक्षेप किया। यानी हर 9 चुनाव में से 1 चुनाव में ये दोनों देश दखल देते रहे हैं। यह स्टडी 148 देशों में करीब 1 लाख लोगों पर की गई थी।

प्रो. लेविन की किताब ने पूरी दुनिया में मचाया तहलका

जानते हैं चुनावों में किस तरह और क्यों विदेशी दखल दिया जाता है । चुनाव में दखल देने वालों में सबसे पहले अमेरिका, रूस और चीन के नाम सामने आते हैं। चुनावों में दखल देने के आरोप अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों पर शीतयुद्ध के जमाने से ही लगते रहे हैं। अमेरिका दक्षिण अमेरिका के देशों में तो रूस यूरोप के देशों में अपनी पसंद की सरकारें बनवाते रहे हैं। रूस ने तो 1972 में पश्चिम जर्मनी के नेता की कॉन्फिडेंस वोट हासिल करने में मदद की थी। हांगकांग यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट ऑफ पॉलिटिक्स एंड पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में असिस्टेंट प्रोफेसर डोव एच लेविन की 2020 में एक किताब आई, जिसने पूरी दुनिया में तहलका मचा दिया। यह किताब 1946 से लेकर वर्ष 2000 तक के पूरी दुनिया में चुनावों में विदेशी दखल पर हुए एक अध्ययन पर आधारित है। इसके मुताबिक, यह कहा गया है कि 54 साल के दौरान अमेरिका ने कई देशों में चुनाव के दौरान सबसे यादा दखल दिया है। नीचे दिए ग्राफिक से समझते हैं कि किन देशों के चुनाव में किसने सबसे यादा दखल दिया था।

सरकार बदलवाने में चीन और रूस के झूठे फंडे

एक जर्मन पॉलिटिकल साइंटिस्ट और अलायंस 90 द ग्रींस पार्टी की सदस्य अन्ना लुहरमैन की 2019 में एक स्टडी आई। यह स्टडी वैराइटीज ऑफ डेमोक्रेसी इंस्टीट्यूट, स्वीडन में प्रकाशित हुई। इसमें कहा गया है कि 2019 में हर देश ने कहा है कि मुख्य राजनीतिक मुद्दों को लेकर सबसे यादा झूठ बोले गए। सबसे यादा झूठ फैलाने में चीन और रूस माहिर हैं। चीन ने ताइवान तो रूस ने लातविया के चुनावों में यही किया। बहरीन, कतर और हंगरी, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, स्विट्जरलैंड और उरुग्वे जैसे देशों में झूठे अफवाहों के आधार पर चुनावों को प्रभावित किया गया।

चुनावों में दखल देने के तरीके

दक्षिण एशियाई यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. देवनाथ पाठक के अनुसार, 2012 में एक स्टडी आई, जिसमें दूसरे देशों के चुनावों में दखल को दो कैटेगरी में बांटा गया। पार्टिजन इंटरवेंशन और प्रॉसेस इंटरवेंशन। यह थ्योरी कॉर्सटैंज और मैरीनोव ने दी थी। पार्टिजन इंटरवेंशन थ्योरी के मुताबिक विदेशी ताकतें जिस देश में दखल देती हैं, उस देश के किसी एक पार्टी का समर्थन करती हैं और उसके चुनाव जितवाने में मदद करती हैं। वहीं, प्रॉसेस ऑफ इंटरवेंशन थ्योरी के तहत विदेशी ताकतें लोकतांत्रिक नियमों का समर्थन करती हैं, चाहे जो भी जीते।

रूसी खुफिया एजेंटों ने फेसबुक का लिया था सहारा

2018 में अमेरिकी सीनेट ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि 2016 में डोनाल्ड ट्रंप को जितवाने के लिए रूसी खुफिया एजेंटों ने फेसबुक विज्ञापनों का इस्तेमाल चुनावों को प्रभावित किया था। रूसी खुफिया एजेंट दुनिया में विरोधियों की हत्याएं करने में माहिर तो माने जाते ही हैं, मगर वो विरोधी देशों में चुनावों को भी प्रभावित करने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। मेडलिंग इन द बैलेट बॉक्स- द कॉजेज एंड इफेक्ट्स ऑफ पार्टिजन इलेक्टोरल इंटरवेंशन के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने टिकटॉक को बैन करने या उसे बेचने का दबाव बनाने के एक बिल पर दस्तखत किए थे। अमेरिकी संसद का यह मानना था कि चीन की सत्तारूढ़ कम्यूनिस्ट पार्टी ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और मतदाताओं को प्रभावित किया था।

चीन की साइबर आर्मी चुनावों में कर रही बेड़ा गर्क

सेबेस्टियन व्हाइटमैन की किताब द डिजिटल डिवाइड इन डेमोक्रेसी में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपनी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी थी कि चीनी सरकार के समर्थन से चीन की साइबर आर्मी आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों, दक्षिण कोरिया और भारत के चुनावों को प्रभावित कर सकती है। उत्तर कोरिया की मदद से चीन दूसरे देशों में अपनी पसंद की सरकार बनवा रहा है। ताइवान में चीन ने यह प्रयोग करने की कोशिश की थी, मगर ताइवानी जनता ने चीन विरोधी राष्ट्रपति चुना है।

एशिया के इन देशों के चुनावों में भी दखल के आरोप

ऐसा नहीं है कि चुनावों में दखल के आरोप सिर्फ अमेरिका, रूस या चीन पर ही लगते रहे हों। भारत पर भी मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल के चुनावों में दखल देने के आरोप लगते रहे हैं। हालांकि, ये आरोप कभी साबित नहीं हो पाए। ये आरोप भारत विरोधी नेताओं श्रीलंका में राजपक्षे, मालदीव में अब्दुल्ला यामीन और बांग्लादेश में खालिदा जिया लगाती रही हैं। यूरोपियन यूनियन ने भी बीते जून में यूरोपीय संसद के लिए होने वाले चुनावों में विदेशी दखल की आशंका को लेकर एक रिपोर्ट जताई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569